RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 32 डिग्री
न्युनतम तापमान 25 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 31 डिग्री
न्युनतम तापमान 24 डिग्री

सोमवार 06 अक्टूबर 2025
सुर्योदय प्रातः 06 :16 बजे
सूर्यास्त सांय 18 : 04 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 गाज़ा शांति योजना - विश्व के लिये अछूत बनता इस्राईल

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 16 | अंक : 352 | गाजियाबाद, सोमवार 06 अक्टूबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

केनरा बैंक Canara Bank
SCAN & PAY
BHIM UPI
Canara ai1 CBDC Paytm Cred PhonePe Google Pay
DIGITAL RUPEE ACCEPTED HERE

NCR MASALA
India's Premium Masala
9410855900
ncrmasala@gmail.com
get online www.ncrmasala.com
गर्म मसाला, हल्दी, मिर्च, धनिया, जीरा व अन्य रसोई मसाले

आयोग ने बिहार में काटे 38 लाख मतदाताओं के नाम : कांग्रेस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि चुनाव आयोग ने मोदी सरकार के इशारे पर बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण के

नाम पर 38 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से काट दिए हैं। इससे 23 लाख महिलाएं और 15 लाख पुरुष वोट देने के अधिकार से वंचित हो गए हैं।

महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा ने रविवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के इशारे पर चुनाव आयोग ने बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण के नाम पर भारी फर्जीवाड़ा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार में करीब साढ़े तीन करोड़ महिला मतदाता हैं लेकिन करीब 23 लाख महिलाओं के नाम मतदाता सूची से काट दिए गए।

अब ये महिलाएं आगामी विधानसभा चुनावों में वोट नहीं दे पाएंगी। सुश्री लांबा ने कहा कि राज्य के जिन छह जिलों में लाखों महिलाओं के नाम वोटर लिस्ट से काटे गए हैं, उनमें गोपालगंज, सारण, बेगूसराय, समश्तीपुर, भोजपुर और पूर्णिया विधानसभा शामिल हैं। इन छह जिलों में करीब 60 विधानसभा सीटें आती हैं। साल 2020 के विधानसभा चुनाव का आंकड़ा देखें तो यहां इंडिया गठबंधन ने 25 सीटें जीती थीं।

अब मतदाता सूची के पुनरीक्षण के नाम पर इन्हीं सीटों पर भारी फर्जीवाड़ा किया गया है। कांग्रेस नेत्री ने कहा कि पार्टी पूरे देश में इसी 'वोट चोरी' के खिलाफ कांग्रेस हश्ताक्षर अभियान चला रही है, जिसमें पांच करोड़ हश्ताक्षर जुटाये जाएंगे। महिला कांग्रेस अध्यक्ष ने वोटर लिस्ट से नाम हटाए जाने पर सवाल करते हुए कहा कि जब इन्हीं महिलाओं ने बीते साल लोकसभा चुनाव में वोट डाले थे, तो क्या तब भी ये वोट फर्जी थे। क्या इन्हीं फर्जी वोट से सांसद बने, पूरी सरकार बनी। अंतिम समय में नाम जोड़ने और काटने की जो साजिश चल रही है और अब इसका पर्दाफाश किया जाएगा।

नेपाल में लैंडस्लाइड से दो दिन में 53 की मौत

- 9 लोग लापता, सेना हेलीकॉप्टर से रेस्क्यू में जुटी

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल में शुक्रवार से हो रही भारी बारिश के बाद लैंडस्लाइड और बाढ़ से दो दिन में 53 लोगों की मौत हो गई, जबकि 9 लापता हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सबसे ज्यादा नुकसान पूर्वी नेपाल के इलाम जिले में हुआ, जहां लैंडस्लाइड में 37 लोगों की मौत हो गई। इलाम की जिला अधिकारी सुनिता नेपाल ने कहा- रात भर हुई मूसलाधार बारिश ने लैंडस्लाइड को ट्रिगर किया, जिससे भारी नुकसान हुआ। कई इलाकों में सड़कें जाम होने की वजह से रेस्क्यू में मुश्किल आ रही है। बचावकर्मी पैदल ही प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं।

अयोध्या में घर में धमाका, युवक की गई जान

एक मकान जमींदोज, एक किलोमीटर तक सुनाई दी आवाज

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में एक घर में जोरदार विस्फोट हो गया। हादसा बीकापुर कोतवाली से महज 100 मीटर की दूरी पर हुआ। यह जगह राममंदिर से करीब 28 किलोमीटर दूर है। इस हादसे में एक घर जमींदोज हो गया। वहीं, मलबे में दबने से एक युवक की मौत हो गई। वहीं, 2 युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। धमाके से आसपास के 3-4 घरों की दीवारों में भी दरारें आई हैं। धमाके की आवाज करीब एक किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। फिर उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

धमाका कैसे हुआ, यह अभी साफ नहीं हो पाया है। फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया है। टीम मौके से सैंपल एकत्र कर रही है। पुलिस टीम भी मौके पर है। जिस घर में विस्फोट हुआ, वह विवेकानंद पांडेय का है। वह नगर पंचायत कर्मी हैं। घायल विवेकानंद की मां उषा देवी ने बताया- हम घर पर नहीं थे। मेरा बेटा घर पर था। बहुत चोट लगी है। उसे अस्पताल लेकर गए हैं। पता नहीं क्या दग गया। कैसे विस्फोट हुआ। मुख्य अग्निशमन अधिकारी महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया- टीम जब मलबा हटाते हुए अंदर गई तो एक डेड बॉडी और दो लोग गंभीर रूप से घायल मिले।

जहां सरकार फेल वहां रामपाल ने जेल से पहुंचाई मदद

- हरियाणा के बाढ़ प्रभावित 200 गांवों को पाइप-मोटरें दीं; पंचायतें बोलीं-बाबा ने निहाल किया

फतेहाबाद (एजेंसी)। देशद्रोह समेत कई संगीन आरोपों में 11 साल से हिसार जेल में बंद सतलोक आश्रम संचालक रामपाल इन दिनों जलभराव से प्रभावित गांवों का मददगार बना हुआ है। उसकी ओर से हिसार, भिवानी, फतेहाबाद, जींद, झज्जर जिलों के 200 गांवों में पानी की निकासी के लिए पाइप लाइन और 15 से 20 हॉर्स पावर तक की मोटरें दी गई हैं। यह सामान पंचायतों के माध्यम से दिया गया है।

मदद पाने वाले करीब 70 गांवों की लिस्ट सामने भी आई है। ज्यादातर उन गांवों में मदद पहुंचाई गई है, जिन्हें प्रशासन की तरफ से समय पर मदद नहीं मिली। इस पर कई सरपंचों का कहना है कि उन्होंने प्रशासन के पास आवेदन किया, लेकिन मामला फाइलों में भी उलझा रहा। इधर, आश्रम प्रमुख के पास एक बार अर्जी दी, उसके कुछ समय बाद ही सामान पहुंच गया। इन गांवों में प्लास्टिक की पाइपों से लेकर अलग-अलग हॉर्स पावर की मोटरें व तार तक पहुंचाई गई है। गांवों में चार हजार फीट से लेकर 44 हजार फीट तक पाइपें पहुंचाई गई है। 15 हॉर्स पावर वाली मोटर की कीमत 40 से 45 हजार रुपए और 20 हॉर्स पावर वाली 50 से 60 हजार रुपए तक में आती है।

अब प्राइवेट कंपनियां भी बनाएंगी मिसाइल और गोला-बारूद

ऑपरेशन सिंदूर से मिली सीख, रक्षा मंत्रालय ने खोले दरवाजे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने अपनी रक्षा क्षमताओं को दीर्घकालिक रूप से सुदृढ़ करने और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। रक्षा मंत्रालय ने मिसाइल, तोप के गोले, गोला-बारूद और आयुध के विकास और निर्माण का काम निजी क्षेत्र के लिए खोल दिया है। इसका मकसद यह है कि लंबे चलने वावे युद्ध या सैन्य अभियान के दौरान देश के पास हथियारों की कमी न हो। सूत्रों के अनुसार, राजस्व खरीद मैनुअल में संशोधन किया गया है। इसके तहत अब कोई भी निजी कंपनी गोला-बारूद निर्माण इकाई स्थापित करने से पहले सरकारी कंपनी म्युनिशन इंडिया लिमिटेड से नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट लेने के लिए बाध्य नहीं होगी। इस बदलाव के बाद 105 मिमी, 130 मिमी, 150 मिमी तोप के गोले, पिनाका मिसाइल, 1000 पौंड बम, मोर्टार बम, हैंड ग्रेनेड और मध्यम व छोटे

कैलिबर के कारतूस जैसे आयुधों का निर्माण अब निजी क्षेत्र में भी संभव होगा। सूत्रों के मुताबिक, रक्षा मंत्रालय ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) को भी पत्र लिखकर यह संकेत दिया है कि मिसाइल विकास और इंटीग्रेशन का क्षेत्र भी निजी कंपनियों के लिए खोला जाएगा।

गोला-बारूद की कमी से बचने की तैयारी

रक्षा मंत्रालय का यह कदम इस उद्देश्य से भी प्रेरित है कि यदि भविष्य में कोई लंबा युद्ध छिड़ता है, तो भारतीय सेना गोला-बारूद की कमी का सामना न करे। अब तक भारत को कई बार आपातकालीन स्थिति में विदेशी विक्रेताओं से ऊंचे दामों पर हथियार खरीदने पड़े हैं। वर्तमान में रूस और पश्चिमी देश यूक्रेन युद्ध, इजरायल गाजा युद्ध में व्यस्त हैं। ऐसे में मिसाइलों और गोला-बारूद की वैश्विक मांग चरम पर है। दूसरी ओर पाकिस्तान को चीन से निरंतर सैन्य आपूर्ति मिल रही है।

प्रधानमंत्री ने दार्जिलिंग हादसे पर जताया शोक, दिया हर संभव मदद का आश्वासन

✷ सिलीगुड़ी/नई दिल्ली ✷

दार्जिलिंग और आसपास के इलाकों में लगातार भारी बारिश और भूस्खलन से तबाही मच गई है। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) ने रविवार को बताया कि अब तक विभिन्न स्थानों से 11 शव बरामद किए गए हैं। अनुमान है कि मरने वालों की संख्या 17 तक पहुंच सकती है। इनमें ज्यादातर लोग मिरिक और सुखियापोखरी क्षेत्रों के हैं।

भारी बारिश और भूस्खलन के कारण पूर्वी हिमालयी क्षेत्र का देश के अन्य हिस्सों से संपर्क टूट गया है। उत्तर बंगाल की रेल सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। पटरियों के जलमग्न हो जाने के कारण कई ट्रेनों को या तो रद्द करना पड़ा है या मार्ग बदलना पड़ा है। पर्यटकों को फिलहाल होटलों में ही रहने और बाहर न निकलने की सलाह दी गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दार्जिलिंग में पुल हादसा और भारी तबाही पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा, "दार्जिलिंग में पुल दुर्घटना में जान गंवाने वालों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। घायल जल्द स्वस्थ हों, यही कामना है।" प्रधानमंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार स्थिति पर नजर रखे हुए है और प्रभावितों को हरसंभव सहायता दी जाएगी।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि उत्तर और दक्षिण बंगाल के कई इलाके अचानक हुई भारी बारिश और बाहरी राज्यों से आई नदी के पानी के प्रवाह के कारण बाढ़ की चपेट में हैं। उन्होंने बताया कि शनिवार रात 12 घंटे में उत्तर बंगाल में 300 मिलीमीटर से अधिक बारिश दर्ज की गई, जिससे संकोश नदी और अन्य नदियों का जलश्तर तेजी से बढ़ गया।

बिहार में किसी भी बूथ पर 1200 से ज्यादा नहीं होंगे वोटर

- मुख्य चुनाव आयुक्त बोले-100 फीसदी होगी वेब कास्टिंग

पटना (एजेंसी)। बिहार चुनाव की तैयारियों की समीक्षा को लेकर चुनाव आयोग की टीम दो दिन के पटना दौरे है। रविवार को सीईसी ज्ञानेश कुमार की अध्यक्षता में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि किसी भी बूथ पर 1200 से ज्यादा वोटर नहीं होंगे। 100 फीसदी वेब कास्टिंग होगी। ज्ञानेश कुमार ने कहा कि बिहार में 243 विधानसभा क्षेत्र है। विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर 2025 को खत्म हो रहा है। उसके पहले चुनाव संपन्न होंगे। चुनाव आयोग की टीम दो दिनों से बिहार में है। इसके पहले भी हमारे वरिष्ठ अधिकारी बिहार का दौरा कर चुके हैं। चुनाव आयोग ने दो दिवसीय दौरे के दौरान पहले दिन राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। उसके बाद, सभी जिलों डीएम, एसपी, डीआईजी व आईजी के साथ बैठक की। वहीं, दूसरे दिन तीन सत्र में,प्रवर्तन एजेंसियों के नोडल अधिकारियों, बिहार के मुख्य सचिव, डीजीपी और विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। सीईसी ने बताया कि पहली बार बूथ लेवल एजेंट्स (बीएलए) की ट्रेनिंग दिल्ली में हुई है। बूथ लेवल ऑफिसर के लिए भी फोटो आईडी कार्ड उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अलावा पोलिंग बूथ के कमरे के बाहर

मोबाइल जमाकर वोट डालने की सुविधा होगी। सभी 90 हजार पोलिंग बूथ पर ये सुविधा होगी। मतदाताओं को दी जाने वाली वोटर स्लिप बूथ की संख्या बड़े अक्षरों में होगी, जिससे बूथ ढूंढना आसान होगा। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के पूर्व कराए गए एसआईआर के तहत अपात्र मतदाताओं के नाम कटे हैं, उन्होंने आग्रह किया कि अभी भी वक्त है, यदि वे योग्य हैं, तो नामांकन की समाप्ति के 10 दिनों पहले तक वे फॉर्म- 6 या फॉर्म- 7 भरकर जमा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जो नई पहल की गई है, उनमें कुछ चुनाव कंडक्ट के समय और कुछ चुनाव के दौरान लागू की जाएगी। उन्होंने आधार कार्ड को लेकर नियमों आए सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का जिक्र किया और कहा कि इसे गणना फॉर्म के साथ स्वीकार किया गया था और आगे भी स्वीकार किया जाएगा। हालांकि सुप्रीम कोर्ट और आधार कानून के साथ जनप्रतिनिधित्व कानून का हवाला दिया और कहा कि आधार केवल पहचान है, नागरिकता का प्रमाण नहीं।

वोटर आईडी कार्ड में वोटर आईडी नंबर बड़ा होगा

राजनीतिक दलों से हर बूथ पर चुनाव एजेंट बहाल करने और मतदान से पूर्व और मतदान की समाप्ति तक फॉर्म 17 सी लेकर जाने तक उनकी मौजूदगी सुनिश्चित कराएं। चुनाव आयोग 17 नए प्रयोग बिहार चुनाव में करने जा रही है। आगे यह पूरे देश में लागू होगा। ईवीएम पर प्रत्याशियों की रंगीन फोटो होगी। वोटर आईडी कार्ड में वोटर आईडी नंबर बड़ा होगा। ईवीएम की काउंटिंग में कोई भी गलती होगी तो सभी ईवीएम की गिनती होगी। इसके अलावा बैलेट वोट की भी गिनती अनिवार्य होगी। ज्ञानेश कुमार ने कहा कि हाल ही में बिहार में मतदाता सूची शुद्धिकरण का काम चलाया गया और हमारे सामने मौजूद बूथ लेवल अधिकारियों ने न सिर्फ अपने बूथों पर मतदाता सूची शुद्धिकरण का काम किया, बल्कि बिहार के 90,217 बूथ लेवल अधिकारियों ने ऐसा काम किया जो पूरे देश में सराहनीय है।

दार्जिलिंग आपदा : राष्ट्रपति-उपराष्ट्रपति समेत कई नेताओं ने दुख जताया

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग और आसपास के इलाकों में भारी बारिश और भूस्खलन के कारण भारी तबाही मची है। इस प्राकृतिक आपदा में कई लोगों की जान चली गई है। इस आपदा के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख व्यक्त किया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, "पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में भारी बारिश और भूस्खलन के कारण हुई दुखद जनहानि अत्यंत दुखद है। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। बचाव और राहत कार्यों की सफलता की कामना करती हूं और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए प्रार्थना करती हूं।" उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने भी पुल हादसे में हुई जान-माल की क्षति पर गहरा दुख प्रकट किया और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने लिखा, "भारी बारिश और भूस्खलन के बाद दार्जिलिंग में हुए पुल हादसे में हुई दुखद मौत से मैं बेहद दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।"

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि दार्जिलिंग और आसपास के प्रभावित इलाकों की स्थिति पर अधिकारियों की निगरानी बनी हुई है। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि उत्तर और दक्षिण बंगाल के कई इलाकों में अचानक हुई भारी बारिश और नदियों के अत्यधिक जल प्रवाह के कारण बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। उन्होंने बताया कि 12 घंटे में 300 मिमी से अधिक बारिश हुई और भूटान व सिक्किम से नदियों में भी अत्यधिक जल प्रवाह हुआ, जिससे भारी तबाही हुई।

उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और प्रभावित परिवारों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। ममता बनर्जी ने लिखा, "हमें यह जानकर दुख हुआ है कि भारी बारिश और नदी में आई बाढ़ से उत्पन्न स्थिति में हमने अपने कुछ भाई-बहनों को खो दिया है। मैं मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती हूं।" ममता बनर्जी ने बताया कि दो लोहे के पुल गिर गए हैं, कई सड़कें क्षतिग्रश्त और जलमग्न हो गई हैं। दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, जलपाईगुड़ी और अलीपुरद्वार जिलों के बड़े हिस्से पानी में डूबे हुए हैं।

उन्होंने कहा कि वह स्थिति की निगरानी लगातार कर रही हैं। पर्यटकों से भी अनुरोध किया गया है कि वे वहीं सुरक्षित रहें जहां वे हैं, और जब तक पुलिस उन्हें सुरक्षित निकाल न ले।

मुख्यमंत्री ने लिखा, "कुछ स्थान ज्यादा प्रभावित हुए हैं, जबकि कई अन्य स्थान भी हमारी गहन निगरानी में हैं। मैं व्यक्तिगत रूप से जानकारी रख रही हूं, निर्देश दे रही हूं और लगातार स्थिति का सर्वेक्षण कर रही हूं। हमारे अधिकारी और पुलिस सभी प्रभावित व्यक्तियों तक हर संभव सहायता पहुंचाएंगे।" इस दौरान सीएम ममता बनर्जी ने हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में आई विनाशकारी बाढ़ की खबरों पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, "पश्चिम बंगाल और सिक्किम, खासकर दार्जिलिंग और उत्तर बंगाल क्षेत्रों में आई विनाशकारी बाढ़ की खबरों से गहरा दुख हुआ है, जहां कई लोगों की जान गई है और एक पुल भी दुर्घटनाग्रश्त हो गया है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना। उम्मीद है कि पीड़ितों को पर्याप्त और शीघ्र मुआवजा मिलेगा।"

मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्र सरकार से प्रभावित राज्यों को राहत प्रदान करने और एनडीआरएफ की अतिरिक्त टीमों को भेजने का अनुरोध किया। साथ ही कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं से प्रभावितों की सहायता करने का आह्वान किया।

अगले 3 दिनों तक बारिश, तापमान 2 डिग्री तक गिरने का अनुमान

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। रविवार सुबह से गाजियाबाद में हल्की धूप के बीच बादल भी छाए हुए हैं। मौसम विभाग के अनुसार, आज रात से पूरे एनसीआर क्षेत्र में मौसम में बदलाव आने की संभावना है। 6 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक बारिश होने का अनुमान जताया गया है, जिसके दौरान तेज हवाओं के भी चलने की संभावना है। गाजियाबाद में अगले तीन दिनों के दौरान तापमान में लगभग 2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट देखने को मिल सकती है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि इस अवधि में हल्की से मध्यम बारिश के साथ-साथ तेज हवाओं के चलते लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। विभाग ने नागरिकों को सलाह दी है कि वह अचानक मौसम में बदलाव के कारण सुरक्षा का ध्यान रखें और जरूरी होने पर ही बाहर निकलें। खासकर ड्राइविंग करते समय तेज हवाओं और गीली सड़कों के चलते सावधानी बरतें। इस मौसम बदलाव के बाद गर्मियों की तेज धूप कुछ समय के लिए विराम ले सकती है, और वातावरण में ठंडक का अनुभव होने लगेगा।

बुजुर्ग महिला के खाते से ढाई लाख रुपये निकाले

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। खोड़ा थाना क्षेत्र में साइबर अपराधियों ने एक बुजुर्ग महिला के बैंक खाते से 2.57 लाख रुपये निकाल लिए। महिला के बेटे ने मामले में मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। खोड़ा कॉलोनी में रहने वाले सलाऊद्दीन के अनुसार उनकी मां मतिहुनिशा का बैंक ऑफ बड़ौदा में खाता है। मां के खाते से ठगों ने दो दिंसबर को तीन बार में 2.57 लाख रुपये निकाल लिए। सलाउद्दीन ने थाने में मुकदमा दर्ज करवा कर रुपये वापस दिलवाने की मांग की है। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवाश्तव ने बताया के केस दर्ज कर साइबर टीम जांच कर रही है। खाते से साढ़े 52 हजार निकालेः कविनगर थानाक्षेत्र के राजनगर सेक्टर-नौ में रहने वाले रामजी लाल के खाते से 14 जुलाई को साढ़े 52 हजार रुपये निकाल लिए गए। पीड़ित ने घटना की सूचना उसी दिन कविनगर थाने की साइबर सेल में दी थी, लेकिन अब तक राशि वापस नहीं हुई है। अधिकारियों से गुहार लगाने के बाद कविनगर पुलिस ने पांच अक्तूबर को अज्ञात ठगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। पुलिस का कहना है कि मामले में की जांच की जा रही है।

ग्रामीण संपदा केंद्र की शुरुआत, ऑर्गेनिक उत्पादों को मिलेगा बाजार

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। जिले के मुख्यालय पर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और उपभोक्ताओं को शुद्ध, प्राकृतिक उत्पाद उपलब्ध कराने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है। गाजियाबाद में ग्रामीण संपदा केंद्र की शुरुआत की गई है, जहाँ लोग स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) और किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) द्वारा तैयार किए गए ऑर्गेनिक उत्पाद सीधे खरीद सकेंगे। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण उत्पादकों को बिचौलियों से मुक्त करते हुए उनके उत्पादों को सीधे बाजार तक पहुंचाना है। इसके जरिए न सिर्फ किसानों और SHG समूहों को आर्थिक मजबूती मिलेगी, बल्कि शहरी उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता वाले, मिलावट रहित उत्पाद भी उपलब्ध होंगे।

एंटी रोमियो स्क्वायड बना सुरक्षा का प्रतीक, महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा का संदेश

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। प्रदेश की बेटियों और महिलाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने, आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनाने के साथ सुरक्षा का माहौल उपलब्ध कराने के लिए मिशन शक्ति 5.0 अभियान चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नवरात्र के पहले दिन मिशन शक्ति 5.0 अभियान की शुरुआत की, जो अभी भी पूरे प्रदेश में चल रहा है। इसी के तहत यूपी पुलिस प्रशासन ने अभूतपूर्व अभियान चलाया, जिसके परिणामस्वरूप महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था और जनसहभागिता दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिली। मिशन शक्ति अभियान की नोडल ऑफिसर एडीजी पद्मजा चौहान ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पूरे प्रदेश में एंटी रोमियो स्क्वायड ने सार्वजनिक स्थलों, मंदिरों, बाजारों, मॉल, पार्क और भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर सतर्कता बढ़ाई। इस दौरान 1,08,292 मंदिरों और सार्वजनिक स्थानों की गहन जांच की गई। अभियान में 9,77,269 व्यक्तियों की जांच की गई, जिनमें संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखी गई।

गिरिडीह में गरजेगा बुलडोजर, 22 दुकानें होंगी जमींदोज

10 दिन की मोहलत

गिरीडीह, एजेंसी। गिरीडीह नगर निगम के पुराने भवन परिसर की सभी 22 दुकानों को खाली कराने पूरे दमखम के साथ पहुंची बुलडोजर करीब डेढ़ घंटे बाद बैरंग लौट गई। सभी दुकानदारों ने निगम की कार्रवाई का विरोध कर दिया। जिसके बाद निगम की कार्रवाई टीम को एक्शन से पीछे हटना पड़ा। जबकि शुरुआत में सुरक्षा बलों से लैस होकर निगम की कार्रवाई टीम बुलडोजर के साथ उक्त स्थल पहुंची थी, जिसके बाद दुकानदार कार्रवाई के आगे ब्रेकर बनकर खड़े हो गए, तो निगम को पीछे हट जाना पड़ा। दुकानदारों ने हाईकोर्ट के दिशा-निर्देश को बताते हुए कार्रवाई टीम से 15 अक्तूबर तक समय मांगा।

कार्रवाई टीम को दुकानदारों का विरोध घंटों झेलना पड़ा। दुकानदारों ने अपने वकील के मार्फत हाईकोर्ट रांची के उस दिशा-निर्देश को दिखाया, जिसमें 15 अक्तूबर तक समय दिया गया है। कहा कि कोर्ट ने 15 अक्तूबर तक दुकान खाली करने पर जो दिशा-निर्देश दिए हैं, उसका पालन कर रहे हैं और निगम भी इसका पालन करे। इस पर कार्रवाई टीम चुप्पी साध ली और

यह कहते हुए पीछे हट गई कि अभी दुकानें खाली कराने नहीं आए हैं। सहायक नगर आयुक्त अशोक हासंदा ने हाईकोर्ट के दिशा-निर्देश का पालन करने की बात कही। कहा कि दुकानदारों को नई दुकानें आवंटित की गई है। लॉटरी के माध्यम से इन्हें दुकानें दी गई है, जहां दुकानदारों को जाना है।

इसपर दुकानदारों ने आवंटित दुकानों की जानकारी से अनभिज्ञता जाहिर की। कहा कि लॉटरी से आवंटित दुकानों की सूचना उन सबको नहीं है।

अम्बेदकर चौक से सटी सभी 24 दुकानों को खाली करने की मुहिम में निगम भिड़ेगी। दरसअल फोरलेन सड़क के लिए ये सभी 24 दुकानों को समतल होना जरुरी है। निगम भी दुकानदारों को दुकानें खाली करने और बस स्टैंड स्थित वेंडिंग जोन में शिफ्ट होने को लगातार कह रही है, लेकिन दुकानदार निगम को अनसुना कर रहे हैं। अब इन दुकानदारों से दुकानें खाली करने पर निगम योजना बना चुकी है। शीघ्र बड़े एक्शन लेने की तैयारी में है। इसके पूर्व निगम के पुराने भवन परिसर की दुकानों को खाली करने के लिए निगम एक सूत्री मुहिम में भिड़ी है।

आयुक्त अशोक हासंदा ने कहा कि हाईकोर्ट द्वारा यह आदेश दिया गया है कि 15 अक्टूबर तक सभी दुकानदारों को नई जगह जहां दुकानें आवंटित हुई है, वहां शिफ्ट कराना है। दुकानदारों को मक़तपुर सब्जी मार्केट में दुकान आवंटित किया गया है। दुकानें शिफ्ट कराने के लिए दुकानदारों को पत्र प्रेषित किया गया है, लेकिन दुकानदार अपनी दुकान शिफ्ट नहीं कर रहे हैं। बाध्य होकर निगम को एक्शन मोड़ पर आना पड़ रहा है।

सक्रिय 'गुप्त व्यापार', पुलिस की सतर्कता और जिम्मेदारी पर उठ रहे सवाल

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

दिल्ली से सटे गाजियाबाद के मेरठ रोड स्थित लोहिया नगर पुलिस चौकी क्षेत्र में रात के समय एक गुप्त और विवादित गतिविधि वर्षों से जारी है, जिससे स्थानीय

नागरिक चिंतित हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस इलाके में कुछ व्यक्तियों द्वारा युवक वर्ग को निशाना बनाकर अवैध कार्य किया जा रहा है। यह गतिविधि चौकी से महज सौ मीटर की दूरी पर होती है, जिससे सुरक्षा और पुलिस निगरानी की प्रभावशीलता पर सवाल उठ रहे हैं।

स्थानीय नागरिकों ने बताया कि यह स्थान नगर निगम की जमीन पर स्थित है, जहां पहले चारदीवारी थी, लेकिन ट्यूबवेल के कारण दीवार को हटाने के बाद इसे खुला छोड़ दिया गया। लोग यहां रात के समय आते-जाते हैं और इस दौरान कई विवादास्पद गतिविधियां सामने आती हैं। इसके अलावा, यह भी पता चला है कि यहां आए दिन लड़ाई-झगड़ा और मारपीट जैसी घटनाएं भी होती रहती हैं। लोहिया नगर चौकी इंचार्ज कुलवंत सिंह ने कहा कि इस क्षेत्र में लगातार कार्रवाई की जाती है और लोगों को हटाया जाता है, लेकिन कुछ समय बाद वही गतिविधियां फिर से शुरू हो जाती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह की गतिविधियों को रोकने में सबसे बड़ा योगदान स्थानीय लोगों और उनकी सोच का है; यदि इस सेवा का उपयोग करने वाले लोग इसे त्याग दें, तो यह गिरोह अपने आप समाप्त हो जाएगा।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह गिरोह केवल अवैध गतिविधियों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि वे आए दिन अपने ग्राहकों के साथ विवाद और मारपीट में भी शामिल रहते हैं। कई बार छोटे विवादों में वे ग्राहकों के सामान छीनते या उन्हें धमकी देते भी पाए गए हैं। इस प्रकरण ने इलाके की सुरक्षा, पुलिस की निगरानी और कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

उद्धव गुट ने दी मान हानि केस की धमकी

मुंबई , एजेंसी। शिवसेना संस्थापक बाल ठाकरे की मृत्यु और उसकी घोषणा को लेकर महाराष्ट्र की राजनीति में भूचाल आया हुआ है। शिवसेना शिंदे गुट के नेता राम कदम द्वारा उद्धव ठाकरे पर लगाए गए आरोपों के बाद उद्धव गुट ने पलटवार किया है। यूबीटी गुट ने राम कदम द्वारा बाल ठाकरे के पार्थिव शरीर को लेकर लगाए गए आरोपों को पूरी तरह राजनीति से प्रेरित बताया। इतना ही नहीं गुट ने कहा कि बाल ठाकरे के खिलाफ ऐसे झूठे दावों को लेकर उनकी पार्टी राम कदम के खिलाफ मान हानि का मुकदमा करेगी।

इस मामले को लेकर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कि वह अपने देवता बाल साहेब ठाकरे के बारे में ऐसे झूठे दावे नहीं सुन सकते। पार्टी राम कदम के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज करवाएगी। परब ने कहा, राम कदम की तरफ से लगाए गए इन आरोपों का मुख्य उद्देश्य उद्धव ठाकरे को लेकर लोगों के मन में जहर घोलना है। उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को यह पता है कि उनकी पार्टी बीएमसी चुनाव नहीं जीत सकते। इसलिए वह ऐसी हरकते कर रहे हैं। उन्होंने कहा, राम कदम द्वारा लगाए गए

आरोप केवल और केलव महाराष्ट्र के मौजूदा मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए हैं। परब यहीं नहीं रुके उन्होंने राम कदम के खिलाफ निजी हमला बोलते हुए कहा कि सरकार को इस बात का भी पता लगाना चाहिए कि आखिर कैसे 1993 में उनकी पत्नी जल गई थीं। इसके लिए रामकदम का नार्को टेस्ट करवाना चाहिए। परब के इन आरोपों पर पलटवार करते हुए राम कदम ने कहा कि वह बाल साहेब ठाकरे की मौत को लेकर सीबीआई जांच की मांग करेंगे और उसके लिए सीएम फडणवीस को पत्र भी लिखेंगे। इसी बीच, राम कदम ने स्पष्ट किया कि 1993 में उनकी पत्नी खेड में चूल्हे पर खाना बनाते हुए झुलस गई थीं।

झारखंड में बदला नियम, अब 30 दिनों के अंदर स्वत: पास हो जाएगा घर का नक्शा

रांची , एजेंसी। झारखंड में भवन निर्माण के नक्शे के आए आवेदन को 30 दिनों के भीतर स्वीकृत करना आवश्यक होगा। सक्षम पदाधिकारी अगर आवेदन को लिखित में कोई कारण बताए 30 दिनों के भीतर निपटारा करने में विफल रहते हैं, तो नक्शा स्वतः स्वीकृत माना जाएगा।

दरअसल, सभी शहरी स्थानीय निकाय, आरआरडीए और धनबाद स्थित खनिज क्षेत्र के विकास प्राधिकार को द झारखंड बिल्डिंग बायलॉज-2016 (जेबीबीएल-2016) के खंड 10 के उपखंड 10.6 में संशोधित प्रावधानों का पालन करना बाध्यकारी होगा। इसे लेकर नगरीय प्रशासन निदेशालय ने बीते 15 सितंबर को आदेश जारी किया है। निदेशालय ने बताया है कि इस आदेश पर नगर

विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव का अनुमोदन प्राप्त है।

विभाग का मानना है कि इस आदेश से पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी। समयबद्ध योजनाओं की स्वीकृति मिल सकेगी। साथ ही यह कदम शहरी विकास को गति देने और आम लोगों को अनावश्यक देरी से मुक्ति दिलाने में सहायक होगा।

बीते 18 अगस्त को झारखंड हाईकोर्ट ने रांची नगर निगम और आरआरडीए में नक्शा स्वीकृति में देरी और वसूली के मामले में स्वतः संज्ञान लेकर दर्ज याचिका पर सुनवाई कर आदेश पारित किया था। यह आदेश जेबीबीएल-2016 के संशोधित प्रावधानों से संबंधित है। कोर्ट ने पूछा था कि जब बिल्डिंग बॉयलॉज में इसका प्रावधान है, तो अब तक कितने भवनों का नक्शा स्वतः स्वीकृत किया गया। पूर्व में यह समय सीमा 15 दिन थी, जिसे 17 अगस्त 2017 के संशोधन के माध्यम से 30 दिन कर दिया गया। यह भी स्पष्ट किया गया है कि सक्षम प्राधिकारी आवेदन मिलने के सात दिनों के भीतर चित्र या दस्तावेज में संशोधन की मांग कर सकता है। आवेदक को सात दिनों के भीतर जवाब देना होगा। यदि आवेदक इसमें विफल रहता है, तो सक्षम प्राधिकारी आवेदन के गुण-दोष के आधार पर आगे बढ़ेगा।

यूपी के कारोबारी को छत्तीसगढ़ में बंधक बनाकर सवा करोड़ की चांदी लूटी, नशीली दवा सुंघाई

आगरा/रायपुर , एजेंसी। आगरा के चांदी कारोबारी राहुल गोयल को छत्तीसगढ़ के रायपुर में बंधक बनाकर 86 किलो चांदी के जेवर लूट लिए गए। इनकी कीमत करीब सवा करोड़ बताई गई है। दो नकाबपोश लुटेरों ने शुक्रवार-शनिवार की दरम्यानी रात करीब तीन बजे वारदात की। बदमाशों ने कारोबारी का नाम लेकर दरवाजा खटखटाया। कारोबारी ने जब दरवाजा खोला तो लुटेरों ने तमंचा तान दिया। उसके मुंह पर नशीला रुमाल रख दिया और कारोबारी को कमरे के भीतर ले जाकर रस्सी से बांध दिया।

लुटेरों ने जेवर दो बैग में भरे और बालकनी से रस्सी के सहारे नीचे उतरकर भाग गए। लुटेरे सीसीटीवी की डीवीआर भी साथ ले गए। सुबह 10 बजे कारोबारी को होश आया तो किसी तरह हाथ खोलकर पड़ोसी के घर गए और घटना की जानकारी दी। राहुल मूल रूप से अलीगढ़ का रहने वाला है। वह आगरा की एक कंपनी के सीएफए के रूप में चांदी के जेवर लेकर रायपुर जाता रहता है। उसने सदर बाजार जैन मंदिर के पीछे राजधानी पैलेस में एक फ्लैट किराए पर लिया है। दीपावली के लिए वह बड़ी मात्रा में चांदी के जेवर लेकर रायपुर गया था।

24 किलो चांदी की बिक्री हो चुकी थी, जबकि 86 किलो चांदी का ऑर्डर बाकी था। बाकी उसने आगरा वाापस भेज दिया था। वह ऑर्डर पर माल पहुंचाने वाला था, उससे पहली वारदात हो गई। उसने आगरा में अपनी फर्म को सूचित किया। अलीगढ़ में अपने परिवार वालों को भी जानकारी दी। रायपुर सराफा

एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष हरख मालू ने मीडिया को बताया कि आगरा का व्यापारी रायपुर के सदर बाजार में जेवर बेचता था। सुबह उन्हें घटना की जानकारी मिली। लूट की जानकारी मिलने के बाद पुलिस पहुंची। अपार्टमेंट और आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाले, लेकिन शनिवार देर शाम तक कोई फुटेज नहीं मिला। डॉग स्क्वॉड की टीम भी मौके पर पहुंची। खोजी कुत्ता एक ही जगह घूमता रहा और फिर भटक गया। पुलिस अधिकारी घटना को लेकर संशय जता रहे हैं। कारोबारी द्वारा बताए गए घटनाक्रम और कोई फुटेज न मिलने पर जांच टीम को संदेह हो रहा है। पुलिस फिलहाल बारीकी से जांच कर रही है।

सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी पर सुप्रीम कोर्ट में होगी सुनवाई, पत्नी ने दायर की थी याचिका

लद्दाख , एजेंसी। लद्दाख में जारी आंदोलन के प्रमुख चेहरे सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी के खिलाफ दायर याचिका पर अब सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। शीर्ष अदालत में दाखिल याचिका में वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमों ने अपने पति की गिरफ्तारी को पूरी तरह से गैरकानूनी बताया है और उनकी तत्काल रिहाई के लिए सुप्रीम कोर्ट से हस्तक्षेप करने की मांग की है। लद्दाख में हुई हिंसा के बाद सोनम को एनएसए के तहत गिरफ्तार कर लिया गया था, इसके बाद उन्हें राजस्थान की जोधपुर जेल में रखा गया है।

कोर्ट में दायर याचिका में गीतांजलि ने आरोप लगाया कि वांगचुक की गिरफ्तारी पूरी तरह से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन है। उन्हें एक सप्ताह से ज्यादा समय से अपने पति की स्थिति का कोई पता नहीं है। न तो पुलिस प्रशासन और न ही स्थानीय अधिकारी इस बारे में कोई जानकारी दे रहे हैं। याचिका में मांग की गई है कि माननीय कोर्ट तुरंत इस मामले में हस्तक्षेप करके सोनम वांगचुक को अदालत के समक्ष पेश करने का आदेश जारी करे, ताकि उनकी सुरक्षा को सुनिश्चित किया जा सके।

आपको बता दें लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा

देने और छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर जारी आंदोलन के दौरान 24 सितंबर को जबरदस्त हिंसा हुई थी। इसमें चार लोगों की मौत हो गई थी, जबकि दर्जनों लोग और पुलिस कर्मी घायल हो गए थे। इस दौरान सोनम वांगचुक हड़ताल पर बैठे हुए थे। प्रशासन ने सोनम वांगचुक के ऊपर लोगों को भड़काने और बरगलाने का आरोप लगाते हुए उनके ऊपर एनएसए लगा दिया और 26 सितंबर को उन्हें गिरफ्तार करके राजस्थान की जोधपुर सेंट्रल जेल भेज दिया गया।

बिहार : क्या ख़त्म होगी जाति आधारित राजनीति ?

कुमार समीर/वरिष्ठ पत्रकार

जाति आधारित राजनीति के लिए जाने जाने वाले बिहार में यह क्या देखने को मिल रहा है ? क्या यहां जाति आधारित राजनीति ख़त्म होने जा रही है ? इस सवाल को सुनकर आप जरूर आश्चर्यचकित होंगे कि घोर जातिवादी राजनीति करने वाले बिहार में यह क्या संभव है ? एक बार में तो हर किसी का यही ज़वाब होगा कि यह बिल्कुल भी संभव नहीं है।

लेकिन आपको जानकर आश्चर्य होगा कि बिहार में जातिवाद आधारित राजनीति खत्म होने की शुरुआत हो चुकी है और इसे शुरू करने वाला और कोई नहीं बल्कि घोर जातिवादी राजनीति करने वाले दल ही हैं। आने वाले कुछ सालों में इसका असर साफ तौर पर दिखाई भी देने लगेगा।

जी हां, बिहार का यह नया रुख पूरे देश में अलख जगाने का काम कर सकता है। इसकी शुरुआत हो चुकी है क्योंकि यहां (बिहार) की राजनीति में पहली बार जाति की जगह क्लास (वर्ग) का महत्व बढ़ता दिख रहा है। सरकारी योजनाओं में महिलाओं, किसानों और पेंशनभोगियों को क्लास के रूप में संबोधित किया जा रहा है। मसलन शिक्षा में मुफ्त योजनाओं की ही बात करें तो दिन का भोजन, साइकिल तथा स्कूल यूनिफॉर्म वितरण में जाति नहीं देखी जा रही है। इसका असर भी दिखने लगा है। छात्रों के विकास को जहां बढ़ावा मिल रहा है वहीं महिलाओं को स्वरोजगार के लिए आर्थिक सहायता भी दी जा रही है।

इस तरह की पहल के बाद कहा जा सकता है कि बिहार में अब ठोस आकार ले रहा है जाति को क्लास (वर्ग) में बदलने का प्रयास। राजनीतिक दलों की घोषणाओं और केंद्र-राज्य सरकार की नीतियों पर गौर करें तो इसका आभास होना शुरू हो जाएगा। हालांकि यह भी सच है कि जाति के क्लास में बदलने के प्रयास का यह प्रारंभिक दौर है। इसलिए जाति और क्लास (वर्ग) -दोनों साथ-साथ चल रहे हैं। जाति का आग्रह जैसे-जैसे कम होगा, वर्ग मजबूत होने लगेगा। यहां सबसे अच्छी बात यह है कि इस बदलाव की पहल सरकार की ओर से हो रही है। वहीं विपक्षी दल भी इसका विरोध नहीं बल्कि अनुसरण ही कर रहे हैं। इसे महिलाओं के मामले में देखें। पिछड़ी जाति की महिलाओं के लिए सरकारी सेवाओं में आरक्षण से शुरुआत हुई जो अब सभी के लिए है।

बिहार की सभी सेवाओं में महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत पद आरक्षित कर दिए गए हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 2006-07 में जब बालिकाओं के लिए पोशाक और किताब की योजना शुरू की तो इसमें सबको समाहित किया गया। जाति-धर्म के आधार पर किसी बालिका को इस योजना से बाहर नहीं किया गया। इसका विश्तार बालकों के बीच भी हुआ। फिर साइकिल देने का निर्णय लिया गया। अब तो उन्हें मैट्रिक से लेकर पीजी तक की परीक्षाओं में पास होने पर भी अधिकतम 75 हजार रुपये दिए जा रहे हैं।

शिक्षा से जुड़ी मुफ्त योजनाओं का असर यह हुआ कि बच्चों का विकास छात्र वर्ग के रूप में होने लगा। यूनिफार्म ने बड़ा बदलाव किया। पहले स्कूली बच्चों के पोशाक से ही उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति का पता चलता था। बच्चों के बीच श्रेष्ठता और हीनता का भाव भी पनपता था। 20 वर्ष पहले जिन बच्चों को इस योजना का लाभ मिला, वे आज के युवा हैं। मतदाता भी हैं। हाल-फिलहाल सभी परिवारों की एक महिला को स्वरोजगार के लिए 10 हजार रुपये देने की योजना बनी।

बताते चलें कि घोषणा यह की गई है कि 10 हजार रुपये से सफलतापूर्वक कारोबार प्रारंभ करने वाली महिलाओं को आने वाले दिनों में दो लाख रुपये तक दिए जाएंगे। दिसंबर तक इस योजना के अंतर्गत एक करोड़ 80 लाख महिलाओं को 10-10 हजार रुपये दिए जाएंगे। महिलाएं इस योजना का लाभ एक क्लास (वर्ग) की तरह ले रही हैं। बदलाव यह आया है कि विरोधी दल की ओर से जो घोषणाएं हो रही हैं, उनमें भी महिलाओं के साथ एक क्लास (वर्ग) की तरह व्यवहार किया जा रहा है। इस योजना के दायरे में एक करोड़ 79 लाख महिलाएं हैं। किसान और पेंशनधारियों को भी एक क्लास (वर्ग) के रूप में आज केंद्र और राज्य सरकार एक क्लास (वर्ग) के रूप में संबोधित कर रही हैं। उन्हें प्रोत्साहन के लिए खाते में राशि भेजी जा रही है। किसान सम्मान निधि के रूप में सभी किसानों के खाते में प्रति वर्ष छह-छह हजार रुपये प्रधानमंत्री की ओर से दिए जा रहे हैं।

किसानों को कृषि यंत्रों के लिए अनुदान दिए जा रहे हैं। अनाजों की खरीद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की सुविधा सभी किसानों को दी जा रही है। सामाजिक सुरक्षा पेंशन देने के मामले में भी जातीय भेद समाप्त किया गया है। यहां भी आर्थिक आधार को रखा गया है। इतना ही नहीं, आयकर दाता और पहले से किसी योजना के तहत पेंशन पा रहे लोगों को छोड़कर 60 वर्ष और उससे अधिक के नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन की परिधि में ले आया गया है। इसने बुजुर्गों को सम्मानजनक जीवन का आधार दिया है।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन पाने वालों की कुल संख्या एक करोड़ 40 लाख से अधिक है। सरकारी सेवाओं में आरक्षण को लेकर समाज के एक हिस्से में बड़ा असंतोष था। जातीय संरचना में ऊंची श्रेणी में रहने के बावजूद गरीबों को आरक्षण का लाभ नहीं मिलता था। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के लिए निर्धारित 10 प्रतिशत आरक्षण का लाभ देकर इस समूह को भी संतुष्ट किया गया है। इसके कारण आरक्षण की सुविधा हासिल करने वाला भी एक अलग क्लास (वर्ग) बन गया है। रोजगार और नौकरी की मांग ऐसी है, जिसकी पूर्ति के लिए युवा एक क्लास (वर्ग) की तरह सड़क पर उतर रहे हैं।

इसे बदलाव की बयार ही कह सकते है कि अब जाति नहीं, गरीबी देखने की बात उठनी शुरू हो गई है। दो वर्ष पहले सभी दलों की पहल पर जाति आधारित गणना हुई। पता चला कि राज्य में 94 लाख से अधिक ऐसे परिवार हैं, जिनकी मासिक आय छह हजार रुपये या उससे कम है।सरकार ने ऐसे परिवार को कारोबार के लिए दो लाख रुपये देने का नीतिगत निर्णय लिया है। यहां भी जाति के बदले क्लास (वर्ग) को लाभ पहुंचाने के लक्ष्य को देखा जा सकता है। सरकारें पहले भी गरीब कल्याण के लिए योजनाएं चलाती रही हैं, लेकिन वह समाज के सभी गरीबों के लिए नहीं होती थीं। शुरुआत अनुसूचित जाति और जनजाति से होती थी, जो पिछड़े वर्गों तक आकर ठहर जाती थी। उन योजनाओं में लाभ लेने के लिए किसी जाति का होना जरूरी होता था। समय के साथ इस तरह के बदलाव को हर तबका स्वीकार कर रहा है, यह सबसे बड़ी और सकारात्मक बात है। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि सरकार और सभी राजनीतिक दल अगर इसी तरह से इस अच्छी पहल का समर्थन करते रहे तो वह दिन दूर नहीं होगा जब सबका साथ, सबका विकास हर वर्ग, हर समुदाय महसूस करने लगेगा।

एनसीआर टुडे

मामूली विवाद में दो भाइयों में मारपीट धारदार हथियार से किया हमला, दोनों गंभीर रूप से घायल

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷। कोतवाली शहर क्षेत्र के कम्भोर गांव में मामूली बात को लेकर दो भाइयों के बीच मारपीट हो गई। इस घटना में मोहम्मद नईम और उनकी पत्नी घायल हो गए।, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मारपीट की यह पूरी घटना पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घायल मोहम्मद नईम (38 वर्ष, पुत्र मुमताज अहमद) ने बताया कि उनके भाई शमीम ने अपने परिजनों के साथ मिलकर उन पर हमला किया। नईम के अनुसार, उन पर धारदार हथियार से हमला किया गया। जिससे उनके सिर में कई टांके आए हैं। उनकी पत्नी भी इस मारपीट में घायल हुई हैं। पीड़ित नईम ने पुलिस को तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया है और आगे की जांच कर रही है।

क्षेत्र में संचालित तीन पटाखा फैक्ट्रियों का किया निरीक्षक

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। उपजिलाधिकारी के निर्देश पर नायब तहसीलदार राजकमल ने क्षेत्र में संचालित तीन पटाखा फैक्ट्रियों का निरीक्षक किया। इस दौरान उन्होंने आतिशबाजी के निर्माण, भंडारण व रखरखाव के सुरक्षा संबंधित मानकों की जांच की। वहीं अभिलेखों से भंडारण का मिलान किया। अग्निशमन यंत्रों व समरसेबलों को चलवाकर चैक किए। इस दौरान नायब तहसीलदार ने फैक्ट्री स्वामियों को श्रमिकों के आधार कार्डों की कॉपी जमा कराने, श्रमिक रजिस्टर बनाने तथा उनके आने व जाने का समय रजिस्टर में दर्ज करने, नाबालिगों को काम पर न रखने आदि निर्देश दिए। साथ ही नियमों का उलंघन करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी। टीम ने जांच रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को प्रेषित करने की बात कही है। राजस्व निरीक्षक ओमवीर सिंह, लेखपाल ब्रह्म सिंह रवि मौजूद रहे।

दो मंजिले मकान से गिरकर मासूम की मौत, परिवार में मचा कोहराम

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷। दूसरी मंजिल की छत पर गुब्बारा उड़ा रहे छ वर्षीय बालक की पैर फिसलने से गिर कर मृत्यु हो गई जिससे घर में कोहराम मच गया। ग्राम मानियावाला निवासी अरहान पुत्र वकील अहमद उम्र 6 वर्ष सर सैयद अहमद एकेडमी मानियावाला में यूं के जी का छात्र था । गत शाम लगभग 4:00 बजे वह ग्राम मानियावाला मे ही अपनी ही ननीहाल के मकान की दूसरी मंजिल की छत पर गुब्बारा उड़ा कर खेल रहा था। अचानक पैर फिसलने से नीचे गिर कर वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। परिजनो ने उसे धामपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मृत्यु की खबर से परिजनों मे कोहराम मच गया। वह दो बहनों का अकेला भाई था। आज सर सैयद अहमद एकेडमी मे भी उसकी मृत्यु गहरा शोक रहा और अवकाश घोषित कर दिया गया।

केसरिया हिंदू वाहिनी गौरक्षा प्रकोष्ठ की टीम ने पुलिस के सहयोग से एक गौमाता का किया अंतिम संस्कार

✷ एनसीआर टुडे. मंडावली ✷। थाना क्षेत्र के ग्राम भागूवाला में नहर की कॉलोनी के सामने एक गौमाता जो की एक वाहन से टकरा गई जिसकी मौके पर ही मौत हो गई अवधेशानंद पुलिस चौकी में मौजूद हेड कांस्टेबल नीरज कुमार, कांस्टेबल संजीव कुमार, ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी बुलाकर गौमाता का केसरिया हिंदू वाहिनी की टीम साथ मिलकर गौमाता का अंतिम संस्कार करवाया जिसमें मौजूद ब्लॉक अध्यक्ष डॉ ओमप्रकाश सिंह, जिला महामंत्री देवेंद्र कुमार शर्मा, जिला प्रचारक पुष्पेंद्र शर्मा, ब्लॉक महासचिव रोहित कुमार, पत्रकार साथी प्रीतम सिंह राठी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं ने शताब्दी वर्ष कार्यक्रम का किया आयोजन

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷। मालिनी नगर की अर्जुन बश्ती में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर शताब्दी वर्ष कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें शस्त्र पूजन किए गया इस कार्यक्रम में सैकड़ो स्वयं सेवकों ने भाग लिया ।मेरठ प्रांत शारीरिक प्रमुख धर्मेंद्र जी का वक्तव्य रहा कार्यक्रम की अध्यक्षता सीताराम जी ने की। इस कार्यक्रम में विभाग प्रचारक क्रांति विपिन महिंद्रा, द्रविड़ गुप्ता, रणवीर सिंह निराला, नगर शहर सह प्रचार प्रमुख यश मोहन, सुमित नगर प्रचार प्रमुख, सुमित नगर शारीरिक प्रमुख विक्रांत ,कोमल, संजीव, नीरज, उदय ,मनीष, मिथुन भारती, शरद शर्मा, बिट्टू भटनागर ,अनुज कौशिक ,बलराम रघुवंशी, दिनेश खन्ना, शाखा कारवां विपिन अग्रवाल सहित सैकड़ो स्वयंसेवक मौजूद रहे।

नगीना .संपूर्ण समाधान दिवस में दर्ज की गई 16 शिकायत

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। एसडीएम की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में अधिकारियों ने समस्याओं को सुनकर उनका जल्द से जल्द निश्तारण किये जाने के दिशा निर्देश दिये। प्राप्त विवरण के अनुसार शनिवार को आयोजित होने वाले संपूर्ण समाधान दिवस के मौके पर एसडीएम नितिन कुमार और तहसीलदार अमरपाल सिंह ने पीड़ित लोगों की फरियाद सुनी। संपूर्ण समाधान दिवस में राजस्व, भूमि विवाद, राशन कार्ड, विद्युत विभाग आदि से संबंधित 16 शिकायतें मुख्य रूप से प्राप्त हुई। जिसमें 2 शिकायत का मौके पर निश्तारण हो पाया। एसडीएम नितिन कुमार द्वारा समश्त अधिकारी कर्मचारीगण को निर्देशित करते हुए कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में आने वाली सभी शिकायतों का मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच कर एवं समयावधि में गुणवत्तापूर्ण निश्तारण करें। सम्पूर्ण समाधान दिवस में एसडीएम नितिन कुमार, तहसीलदार अमरपाल सिंह, नायब तहसीलदार अजब सिंह राणा, एडी ओ पंचायत पंकज शर्मा ए वी एसओ इन्द्रजीत सिंह, कृषि एडीओ आदित्य कुमार पूर्ति अधिकारी नगीना विनीत कुमार, एसडीओ विद्युत रामकेश, नगरपालिका से मुनीर आलम, असलम मंसूरी सहित राजस्व और पुलिस विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

भ्रष्टाचारः पंचायत कार्यालय से महत्वपुर्ण फ़ाईले चोरी

सभासद ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज करा की कठोर कार्य वाही की माग

✷ एनसीआर टुडे. बढ़ापुर ✷

विवादों के कारण चर्चा में रहने वाली नगर पंचायत बढ़ापुर में इस बार ऑफिस से सरकारी फाइलों की चोरी होने की खबर से नगर में चर्चा का विषय बनी हुई है।<

फाइल चोरी की जांच कराने के लिए एक सभासद ने मुख्यमंत्री के दरबार मे गुहार लगाई है। जिस कारण यह मामला अब तूल पकड़ता हुआ नजर आ रहा है। फाइल चोरी होने की खबर के साथ ही पंचायत कर्मचारियों में एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप का दौर शुरू हो चुका है। जिस कारण कर्मचारी अपना स्पष्टीकरण देते हुए नजर आ रहें है।

बताया जा रहा है कि वार्ड नं 15 के सभासद श्याम सिंह कश्यप द्वारा मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई है कि नगर पंचायत बढ़ापुर में भुगतान की हुई सरकारी फाइलों को पंचायत कार्यालय से चोरी की गई है जिसमे ठेकेदार पिता पुत्र सहित एक अन्य व्यक्ति भी शामिल है। सभासद द्वारा मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत के बाद पंचायत कर्मचारियों ने अपने स्पष्टीकरण पेश करने शुरू कर दिए है।

जिनमे बताया जा रहा है कि गत दिनांक 12 सितम्बर को दोपहर करीब दो बजे पूर्व टैक्स कलेक्टर मौ० रशीद अपनी सर्विस बुक देखने के लिए नगर पंचायत कार्यालय पहुँचे थे जहां पर उन्होंने चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी नीरज कुमार से उस अलमारी की चाबी माँगी जिस में ठेकेदारों द्वारा किये जाने

वाले सरकारी कार्य के भुगतान की फाइल भी रखी रहती हैं। जिस कारण नीरज कुमार ने ऑफिस की गोपनीयता के चलते हुए चाबी कर्मचारी मुनेश कुमार के हवाले कर दी ताकि रशीद अहमद को उनकी सर्विस बुक दिखाई जा सके उस समय कार्यालय में खुर्शीद ठेकेदार पुत्र अब्दुल लतीफ, महविश पुत्र खुर्शीद निवासी मोहल्ला कलालान नगीना तथा एक अन्य व्यक्ति मौजूद थे। आरोप है कि इसी दौरान भुगतान हुई कुछ पुरानी फाइलें निकाल ली गईं और कुछ फाइलों के साइड नोट फाड़ लिए गए।

कर्मचारी नीरज कुमार ने यह दृश्य देखकर तत्काल अधिशासी अधिकारी और नगर पंचायत अध्यक्ष को फोन से सूचना दी। बाद में उन्होंने 18 सितम्बर को पूरी घटना की लिखित सूचना भी दी। घटना के तीन दिन बाद, 15 सितम्बर को अधिशासी अधिकारी ने चपरासी मुनेश कुमार को पत्रांक 659/2025-26 के तहत नोटिस जारी किया। नोटिस में कहा गया कि उनकी देखरेख में रखी अलमारी से सरकारी फाइल चोरी होने का मामला सामने आया है। जिससे नगर पंचायत की छवि धूमिल हुई है। उन्हें तीन दिन के भीतर अपना स्पष्टीकरण देने के लिए कहा गया। मुनेश कुमार ने नोटिस प्राप्ती के दो दिन के बाद अपना स्पष्टीकरण पेश किया जिसमें उन्होंने अलमारी की चाबी नीरज कुमार के पास होने का हवाला देते हुए फाइल चोरी की घटना के दिन पूर्व कर्मचारी रशीद अहमद की सर्विस बुक दिखाने के लिए चाबी नीरज कुमार से ली थी। उन्हें यह जानकारी नहीं कि किसी व्यक्ति या ठेकेदार ने कोई अभिलेख या फाइल अलमारी से ली है।

उन्होंने अनुरोध किया कि उनका स्पष्टीकरण स्वीकार किया जाए। जिसके बाद लगातार मामले को निपटाने की कोशिश की जा रही थी परन्तु सभासद श्याम सिंह कश्यप की शिकायत के बाद मामला तूल पकड़ता दिखाई दे रहा है।

जिस कारण सभासद द्वारा नगर पंचायत कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरों के सीसीटीवी फुटेज का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री से प्रकरण की जांच कर ठेकेदारों व संबंधित लोगों पर कानूनी कार्यवाही की मांग की जा रही है।

इस तरह नगर पंचायत बढ़ापुर का यह फाइल प्रकरण अब स्थानीय दायरे से निकलकर शासन श्तर तक पहुँच गया है। फिलहाल नगर पंचायत प्रशासन ने इस पर कोई अधिकारिक बयान नहीं दिया है।

प्रगति किट्टी क्लब में मीनू गोयल बनी करवा चौथ क्वीन

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

प्रगति किट्टी क्लब ने बहुत ही हर्षोल्लास साथ मीनाक्षी मलिक के

निवास स्थान कृषि अनुसंधान केंद्र पर करवाचौथ का कार्यक्रम आयोजित क्रिया। जिसमे मीनाक्षी मलिक ने तरह-तरह के मनोरंजन गेम एवं तम्बेला खिलाकर सभी को पुरस्कार द्वारा सम्मानित किया।

एक गेम के माध्यम से मीनू गोयल करवा चौथ क्वीन चुनी गयी। उन्हें क्राउन एवं पुरस्कार द्वारा सम्मानित किया गया। सभी सदस्यों आशा महेश्वरी, मीनू गोयल, रितु गर्ग, रितु गुप्ता, विनीता गुप्ता, नीरु बत्रा, प्रीति बंसल, सरिता, स्वाति, अनीता, कंचन, सुमन, नीलम साहू, उपस्थिति रही। वंदना त्यागी, आदित्य शुभांगी एवं इस समृद्धि एवं कल्पना ने गेस्ट के रूप में आमंत्रित होकर भरपूर मनोरंजन का लुत्फ़ उठाया। मीनाक्षी का बहुत धन्यवाद किया।

भीषण सड़क हादसा : पुलिया तोड़ नदी में गिरा टैंकर

चालक व परिचालक की मौके पर मौत

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷

थाना अफ़ज़लगढ़ क्षेत्र के मेघपुर मोड़ पर देर रात करीब ढाई बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। जानकारी के अनुसार, एक टैंकर अनियंत्रित होकर पुलिया को तोड़ते हुए सीधा नदी में जा गिरा।

हादसा इतना भीषण था कि टैंकर पूरी तरह क्षतिग्रश्त हो गया। इस दुर्घटना में टैंकर चालक सतपाल (35 वर्ष) पुत्र रामपाल और परिचालक रोबिन (32 वर्ष) पुत्र इंद्रपाल की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

दोनों मृतक जनपद रामपुर के टांडा क्षेत्र के ग्राम पीपली नायक निवासी बताए गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही अफ़ज़लगढ़ पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और राहत व बचाव कार्य शुरू किया।

पुलिस ने रात में ही दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिजनौर जिला अस्पताल भेज दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के समय वाहन परिचालक चला रहा था, जिसने नियंत्रण खो दिया, जिससे यह भीषण दुर्घटना घटित हुई। पुलिस ने मामले की जांच प्रारंभ कर दी है।

आजाद समाज पार्टी ने गांव जक्खाकी में बदलाव का संकल्प लिया

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷

नजीबाबाद विधानसभा क्षेत्र के गांव जक्खाकी में आजाद समाज पार्टी की एक जनसभा का आयोजन किया गया। जिसमें भारी संख्या में ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में क्षेत्र के विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और रोजगार जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा हुई।

गांव के लोगों ने कहा कि वर्षों से क्षेत्र विकास से वंचित रहा है, अब समय है बदलाव का। जनता ने आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव में आज़ाद समाज पार्टी को समर्थन देने का संकल्प लिया और कहा कि अबकी बार जनता अपनी सरकार बनाएगी।

इस मौके पर मुख्य अतिथि रहे साहनपुर चेयरमैन एवं नजीबाबाद विधानसभा के भावी प्रत्याशी 2027 खुर्शीद मंसूरी।

कार्यक्रम की सदारत हसीनूदीन ने की और संचालन रवि चौधरी ने किया।

सभा में वक्ताओं ने कहा कि सांसद चंद्रशेखर आज़ाद लगातार दलित, पिछड़े, मुस्लिम और वंचित समाज की आवाज़ सड़क से संसद तक बुलंद कर रहे हैं। उनके संघर्ष और विचारधारा से प्रेरित होकर जनता अब बदलाव का संकल्प ले चुकी है।

कार्यक्रम में हबीब, रईस, जुल्फ़िकार, फारूक, नसीम वकील, रईस अहमद, नसीम, शमशीद सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सभी ने एक स्वर में कहा — "मिशन 2027 को सफल बनाना है, अब नजीबाबाद में बदलाव की बारी है।"

आरएसएस शताब्दी वर्ष पर पथ संचलन, पुष्पवर्षा से हुआ स्वागत

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने पर रविवार को नगर में भव्य

पथ संचलन निकाला गया। गणवेशधारी स्वयंसेवकों ने अनुशासित कदमताल से राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया। मार्ग में सनातन परिवारों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया।

शताब्दी समारोह में मुख्य वक्ता हिमांशु कुमार ने संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार के विचारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आरएसएस विविधता में एकता का प्रतीक है और युवाओं को निस्वार्थ समाजसेवा के लिए प्रेरित करता है। पथ संचलन का शुभारंभ विवेकानंद बश्ती से जिला प्रशासनिक संपर्क प्रमुख मनोज कुमार चौहान और जिला निधि प्रमुख टीकम सिंह फौजी के नेतृत्व में हुआ, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए राधा इंटर कॉलेज में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. राजेश कुमार ने की तथा संचालन नगर कार्यवाह आज़ाद वीर ने किया। इस अवसर पर नगर प्रचारक अमित कुमार, संदीप कुमार, मनोज कुमार, नवनीत कुमार, विशाल कुमार सहित अनेक प्रतिष्ठित नागरिक उपस्थित रहे।

रोहित रवि बने इंडियन यूथ आर्मी के राष्ट्रीय महासचिव

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

लोक निर्माण विभाग के मीटिंग हाल में इंडियन यूथ आर्मी (अराजनैतिक संगठन) के विश्तार एवं कार्य की प्रगति को लेकर संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की बैठक का आयोजन हुआ।

मीटिंग में रोहित कुमार रवि पुत्र पूर्व विधायक सतीश गौतम निवासी नगीना को सर्वसम्मति से राष्ट्रीय महासचिव चुना गया।

आलोक कुमार प्रधान धर्मपुरा निवासी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, डेविड कुमार प्रधान पुत्र त्रिलोकवाला को राष्ट्रीय सचिव, गजेंद्र कुमार निवासी ग्राम लकड़ा को राष्ट्रीय सचिव, सुमित पाल भगवानपुर निवासी को राष्ट्रीय सचिव, मीनाक्षी चौधरी निवासी नगीना को प्रदेश उपाध्यक्ष महिला मोर्चा उत्तर प्रदेश, रोहित कुमार निवासी चमरावाला को राष्ट्रीय सचिव, कुशलपाल निवासी नगीना को राष्ट्रीय सचिव,अमन कुमार निवासी नगीना को मीडिया प्रभारी, सतीश कुमार निवासी जुलाहापुरा आदि सम्मानित व्यक्तियों का स्वागत हुआ।

मीटिंग की अध्यक्षता एडवोकेट विसवास राव ने की और संचालन रोहित कुमार रवि ने किया मीटिंग में समाज के उत्थान के लिए, जाति पंथ एवं धर्म के भेदभाव को समाप्त करने, युवाओं, महिलाओं, असहायों को रोजगार एवं सशक्त बनाने को लेकर विचार किया गया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि मालवा एवं संस्थापक विशवास राव एडवोकेट ने सभी पदाधिकारियों का माला पहनाकर स्वागत कर सम्मानित किया।

शिकार की तलाश में भटक रहा गुलदार पिंजरे में कैद हुआ

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

नगीना क्षेत्र के गाँव बेगामपुर चायमल उर्फ धीमारेड़ी में शनिवार को एक गुलदार पिंजरे में कैद हो गया। यह घटना बेगमपुर चायमल उर्फ धीमारेडी गांव के एक खेत पर हुई।

ग्रामीणों ने सुबह गुलदार को पिंजरे में फंसा देखा, जिसके बाद वन विभाग को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची टीम गुलदार को अपने साथ ले गई।

गुलदार शिकार की तलाश में भटक रहा था, तभी वह खेत में लगाए गए पिंजरे में फंस गया। इस घटना से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है, क्योंकि पिछले कुछ दिनों से इस क्षेत्र में गुलदार का आतंक बना हुआ था।

गुलदार के डर से लोग खेतों पर जाने से भी कतरा रहे थे। ग्रामीणों की

शिकायत के बाद ही वन विभाग ने यह पिंजरा लगाया था। पिंजरे में गुलदार के कैद होने के बाद स्थानीय लोगों में भय का माहौल कम हुआ है।

उल्लेखनीय है कि बिजनौर जनपद में गुलदार के हमलों से अब तक 30 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। वन विभाग की टीम ने पिंजरे को अपने कब्जे में लेकर गुलदार को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया है।

नहटौर नगर में निकला संघ का पथ संचलन

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का नहटौर नगर में पथ संचलन आयोजित हुआ। पथ संचलन पर पुष्प वर्षा की गई। विधायक ओमकुमार ने भी स्वयंसेवक के रूप में प्रतिभाग किया।

रविवार को नहटौर स्थित श्री श्याम नारायण सिंह स्मारक इंटर कॉलेज से प्रारंभ होकर पथ संचलन पुनः कॉलेज परिसर में पहुँचकर सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर संघ चालक अभिनव जैन ने की। मुख्य वक्ता के रूप में विभाग शारिरिक प्रमुख सतेंद्र कुमार ने संघ स्थापना के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि संगठित रहना है और राष्ट्र की सेवा करनी है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विश्व का एकमात्र ऐसा संगठन है जो अपने शताब्दी वर्ष में प्रवेश कर रहा है। डॉ हेडगेवार जी और श्री गुरु जी द्वारा जो सपना देखा गया था उसे आज स्वयंसेवक पूरा कर रहे है। मोहल्ला जोशियान, हल्दौर चौराहा, चांदपुर चुंगी, रिलायंस कॉलोनी मुख्य बाजार, एजेंसी चौराहा, सहित दर्जनों स्थानों पर पुष्प वर्षा की गई। इस अवसर पर करन सिंह, वीर सिंह, मुलचंद, चंद्रसेन, मृत्युंजय, विजयपाल सिंह, विनिल त्यागी, सुभाष चौहान, देवराज सिंह, अनमोल, अंशित जैन, शिवम त्यागी, वैभव गोयल आदि उपस्थित रहें।

खनन माफियाओं का बोलबाला, रात के अंधेरे में लूटी जा रही सरकारी मिट्टी, प्रशासन मौन

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा/बिजनौर ✷

स्योहारा थाना क्षेत्र में खनन माफिया खुलेआम सरकारी मानकों की धज्जियाँ उड़ा रहे हैं। कज़ामपुर, मेवानवाद, सहसपुर, मकसूदपुर और किवाड़ सहित आसपास के गांवों में रात 2:00 बजे से लेकर सुबह 6:00 बजे तक अवैध खनन का खेल जोरों पर चल रहा है। बताया जा रहा है कि खनन माफिया रात के अंधेरे में लाखों रुपये का मिट्टी खनन कर रहे हैं।, जिससे न सिर्फ पर्यावरण को भारी नुकसान पहुँच रहा है बल्कि सरकार को भी राजस्व की भारी चपत लग रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जहां कुछ ही घनमीटर की परमिशन दी गई है, वहीं मौके पर सैकड़ों ट्रैक्टर मिट्टी काटकर बाहर भेजी जा रही है। पूरे इलाके में बड़े पैमाने पर गहरी खुदाई देखकर साफ पता चलता है कि यह काम किसी छोटे नेटवर्क का नहीं, बल्कि एक संगठित गिरोह का है।, जो सत्ता के संरक्षण का लाभ उठाकर प्रदेश सरकार के राजस्व को लूट रहा है।

रात के अंधेरे में चल रहा 'खनन खेल'

ग्रामीणों का आरोप है कि रात के समय ट्रैक्टर-ट्रॉली और जेसीबी मशीनों के जरिए अवैध खनन किया जाता है। ये लोग रात 2 बजे के बाद काम शुरू करते हैं ताकि दिन में कोई पकड़ न सके। दिन निकलने से पहले मिट्टी ट्रॉली में भरकर बाहर भेज दी जाती है। लोगों का कहना है कि यदि किसी अधिकारी को मौके पर भेजा जाए तो इलाके में मिट्टी के कटाव की गहराई खुद बयां कर देगी कि अवैध खनन किस श्तर पर हो रहा है।

विभागीय मिलीभगत के आरोप

स्थानीय ग्रामीणों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि खनन और राजस्व विभाग के कुछ अधिकारी मूकदर्शक बने बैठे हैं। ऐसा लगता है जैसे उन्हें सबकुछ पता है, लेकिन कार्रवाई करने की जगह आँखें मूँद ली गई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि "जब कोई पत्रकार या जागरूक नागरिक सवाल करता है तो उसे ही धमकाया जाता है, लेकिन माफिया रात-दिन मिट्टी निकाल रहे हैं।"

आखिर कब होगी कार्रवाई?

प्रशासन से अब यह सवाल उठ रहा है कि इतने बड़े पैमाने पर चल रहे अवैध खनन पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई क्यों नहीं हुई? क्या अधिकारियों को सबकुछ दिखाई नहीं दे रहा, या फिर दबाव में आकर वे खामोश हैं? जनता प्रशासन से सीधी मांग कर रही है कि तत्काल जांच कराकर जिम्मेदार अधिकारियों व खनन माफियाओं पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि सरकारी राजस्व और पर्यावरण दोनों की रक्षा हो सके।

हल्दौर स्टेशन पर चंडीगढ़ एक्सप्रेस रुकी, तकनीकी खराबी से 3 घंटे यात्री हुए परेशान

एनसीआर टुडे. हल्दौर। लखनऊ से चंडीगढ़ जा रही चंडीगढ़ एक्सप्रेस ट्रेन शनिवार सुबह हल्दौर रेलवे स्टेशन पर तकनीकी खराबी के कारण लगभग तीन घंटे तक खड़ी रही। एक डिब्बे में आई खराबी के चलते यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। शनिवार सुबह करीब 8:30 बजे जब ट्रेन अपने निर्धारित समय पर हल्दौर स्टेशन पहुंची। प्लेटफार्म पर आते ही ट्रेन के एक डिब्बे में अचानक तकनीकी खराबी आ गई, जिससे ट्रेन को आगे बढ़ने से रोक दिया गया। सूचना मिलते ही रेलवे की तकनीकी टीम तत्काल मौके पर पहुंची। टीम ने खराब डिब्बे की गहन जांच शुरू की। रेलवे अधिकारियों ने यात्रियों को सुरक्षा कारणों से ट्रेन के रुकने की जानकारी दी। करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद तकनीकी टीम ने खराब डिब्बे को प्लेटफार्म नंबर एक पर खड़ा कर दिया। इसके बाद, शेष ट्रेन को चंडीगढ़ के लिए आगे रवाना किया गया। ट्रेन के लंबे समय तक रुकने से यात्रियों को काफी परेशानी हुई।

आवारा कुत्ते ने दो बच्चों को नोचा, वीडियो, घर के बाहर खेलते समय हमला, निजी अस्पताल में भर्ती

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷

नजीबाबाद क्षेत्र में आवारा कुत्तों ने दो बच्चों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। यह घटना घर के बाहर खेलते समय हुई, जिसका एक वीडियो सोशल

मीडिया पर वायरल हो रहा है। स्थानीय लोगों ने नगर पालिका और प्रशासन से आवारा कुत्तों को पकड़ने की मांग की है।

यह घटना नजीबाबाद थाना क्षेत्र के मोहल्ला रम्पुरा में हुई। बच्चे अपने घर के सामने गली में खेल रहे थे, तभी अचानक एक आवारा कुत्ता आया और उन पर हमला कर दिया। वायरल वीडियो में दिख रहा है कि कुत्ते ने बारी-बारी से दोनों बच्चों पर हमला किया। एक बच्चे के कान और दूसरे के हाथ में काट लिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। इस अचानक हुई इस घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घायल बच्चों को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।जहां उनका उपचार चल रहा है। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन और नगर पालिका से क्षेत्र में बढ़ते आवारा कुत्तों के आतंक पर अंकुश लगाने और उन्हें जल्द से जल्द पकड़ने की अपील की है।

शाहनवाज खलील ने गुजरात टी स्टॉल का फीता काटकर उद्घाटन

एनसीआर टुडे. नगीना। नगर में अब गुजरात की स्पेशल चाय का लुफ्त स्थानीय लोग उठा सकेंगे। अकबराबाद चौराहे पर गुजरात स्पेशल टी स्टॉल के नाम से एक दुकान प्रारंभ हो गई है।

चेयरमैन संघ के जिला अध्यक्ष शेख शाहनवाज खलील ने फीता काटकर विधिवत टी स्टॉल का उद्घाटन किया। इस मौके पर टी स्टाल के स्वामी मोहम्मद इरफान अंसारी ने बताया कि उनके यहां गुजरात की स्पेशल चाय का पूरा स्वाद ग्राहकों को मिलेगा। इस मौके पर शहजाद आलम एडवोकेट, निशांत अहमद एडवोकेट, मोहम्मद शरफ एडवोकेट, मोहम्मद इमरान, मोहम्मद फैज, अफजाल कुरैशी,मोहम्मद शारिक, महमूद अंसारी, वाजिद अंसारी, एजाज अंसारी आदि मौजूद रहे।

संपादकीय

अमेरिका ने भारत की विश्वसनीयता पर किया हमला

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भारत के साथ वर्तमान में जिस तरह का जो व्यवहार कर रहे है, वह भारतीय जनमानस की समझ से परे है। भारत और अमेरिका दुनिया के दो बडे लोकतंत्र है। दोनो देश सैद्धान्तिक तौर पर लोकशाही के लिए प्रतिबद्ध है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पहले टर्म में भारत के साथ राजनयिक रिश्तों और द्विपक्षीय संबंध स्थापित करने के लिए जी जान लगा कर जुटे रहे। मोदी ने अमेरिका की यात्रा की थी तो डोनाल्ड ट्रम्प को भारत आने का न्यौता दिया। डोनाल्ड ट्रम्प भारत यात्रा पर आए। अमेरिका में मोदी ने विशाल सभा को सम्बोधित किया। लेकिन इस बार की जीत भारत सहित अनेक देशों को परेशान कर रही है। भविष्य के गर्भ में क्या है, कहा नही जा सकता है लेकिन जो स्थिति बन रही है, इससे स्पष्ट संदेश मिल रहा है कि तेजी से बदलती हुई अर्थव्यवस्था में भारत एक ताकतवर ऐशियाई शक्ति के रूप में उभर रहा है।

तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की चौखट चुम रहे भारत से अमेरिका के पेट में दर्द जरूर हुआ है। अमेरिका ने भारत के प्रति अपने पारंपरिक नजरिया में बदलाव लाया है। क्योंकि इस बार के व्यवहार में जमीन आसमान का फर्क है। अमेरिका की यात्रा के दौरान डोनाल्ड ट्रम्प ने मोदी को ग्रेट कहकर सम्मानित किए गए थे। । लेकिन भारत नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चारो तरफ परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। मोदी के मार्गदर्शन से एशियाई ताकत के रूप में उभरा है। भारत की गूंज ऐशियाई सहित यूरोप और अमेरिका में महसूस की गई है। भारत के साथ अमेरिका के बढ़ते विरोध का मूल कारण यही है। विश्व के कई देशों के साथ द्विपक्षीय सम्बन्ध मजबूत है। रूस और भारत के घनिष्ठ मैत्रीपूर्ण सम्बन्धो को अमेरिका पचा नही पा रहा है, लेकिन पहली बार डोनाल्ड की जीत पर अमेरिका में रह रहे भारतवंशी बहुत खुश मिजाज थे। दुनिया को लग रहा था कि अमेरिका और भारत अर्थक्रान्ति का साझा भविष्य है।

लिहाजा, भारत ने अमेरिका से घनिष्ठता बढाई और द्विपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर कर भारत और अमेरिका के नये सूत्रपात की शुरुआत की गई। दुनिया को लगने लगा कि ट्रम्प और मोदी के नेतृत्व में दुनिया की दो बड़ी ताकत एक दूसरे के करीब है। ऐसा हर देश को लग रहा था आजादी के बाद देश के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का झुकाव सोवियत संघ की तरफ था। इसकी वजह से भारत की मानसिकता अमेरिका विरोध की थी। भारत को अपने पक्ष में करने के लिए अमेरिका ने लगातार कोशिशें की गई। तथा अमेरिका पाकिस्तान भी हिमायती बना रहा। नेहरू के बाद भी देश के वामपंथी विचारधारा के प्रभाव ने भारत और अमेरिका के संबंधो में भी कभी आज की तरह की गर्माहट महसूस नही होने दी। लेकिन भारत के साथ घनिष्ठता बढ़ाने के बाद भी पाकिस्तान से अमेरिका का मोह भंग नही हुआ।

भारत से दुश्मनी पाल रहे पाकिस्तान भारत का दुश्मन देश है। अमेरिका यह जानते हुए पाकिस्तान के सेनाअध्यक्ष को भोजपर निमन्त्रण देकर भारत को जलील किया है। बहरहाल, अमेरिका पाकिस्तान की प्राकृतिक खनिज भंडार के लिए अमेरिका करोड़ो डॉलर पाकिस्तान को देने के लिए कई बार चर्चा कर चुकाहै। अमेरिका को मौकापरस्त व्यापारिक देश के तौर पर ही लिया जाता रहा है। रिपब्लिकन हो या डेमोक्रेटिक, सभी अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत से ज्यादा पाकिस्तान को तरजीह देते रहे है। अमेरिका से सैन्य उपकरणों की खरीदी भारत ने की थी। फिलहाल, भारत की तरक्की का मुख्य कारण है कि डोनाल्ड ट्रम्प को विचलित कर रहा है। टैरिफ के घाव से भारत उभरा ही नही है और दवाइयों पर सौ प्रतिशत टैक्स लगाने का अल्टीमेटम देना अमेरिका कहा न कही भारत से दुर्व्यवहार ही कर रहा है। मनमोहन की सरकार के दौरान राष्ट्रपति ओसामा ने भारत का दौरा किया था। तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को अमेरिका आने का न्यौता दिया गया था। लेकिन मनमोहनसिंह के सम्मान में कमी रखी गई।

कारण कि पाकिस्तान के साथ अमेरिका की मैत्री थी। पाकिस्तान भी अमेरिका के कार्यकलापों में दखलंदाजी करना नही चूकते थे। अमेरिका अमिरिकी राष्ट्रवाद की ओर लौटा, तो भारत को कोई ऐतराज नही था, जैसे ही भारत डिजिटल इकोनॉमी की दौड़ में जैसे ही दौड़ लगाई, अमेरिका की भृकुटि तन ने लग गई। भारतीय बाजार अमेरिका सहित दुनिया के तमाम विकसित और विकासशील देशों के साथ कदमताल करते हुए अपनी मजबूत स्थिति दर्ज करने के लिए भारत मजबूत होते ही अमेरिका की भारत के प्रति द्वेषभावना बढ़ती चली गई। आज भारत अपनी ताकत के बल पर स्वदेशी अपनाओ का नारा देकर भारत को आत्मनिर्भरता के पथ पर अग्रसर करने के लिए तमाम कोशिशें कर रहा है।

भारत मिश्रित अर्थव्यवस्था का तिलिस्म तो पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के समय ही टूटने लगा था। बावजूद मनमोहन यह यकीन दिलाते रहे कि सरकार अमेरिका और विश्व बैंक पोषित उदार आर्थिक नीतियों को अपनाने की दिशा में आगे कदम बढ़ाते हुए गरीब और अमीर के बीच संतुलन स्थापित करने की पूरी कोशिश कर रही है। भारत एक आर्थिक महाशक्ति के रूप में उभर चुका है। राष्ट्रपति डोनाल्ड को प्रधानमंत्री मोदी की कार्यप्रणाली में भरपूर यकीन है। लेकिन विपक्ष भारत मे मोदी का विरोध करता है।

विकास को कांग्रेस पचा नही पा रही है और तीसरी अर्थव्यवस्था को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड सहन नही कर पा रहे है। भारत नीति नियंता देश है। अपनी सांस्कृतिक और परंपराओं की विरासत को थामे हुए आगे बढ़ रहा है। टैरिफ की झाल फैलाने के लिए डोनाल्ड ट्रम्प ने ब्रांडेड दवाओं पर सौ प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की है। आगामी महीने में लागू करने की घोषणा की गई है। अमेरिका ज्यादातर जेनेरिक दवाई भारत से आयात करता है। अभी कोई प्रभाव की बात नही है। लेकिन आने वाला समय सिंडिकेट के सेंटिमेंट को जरुर प्रभावित करेगा। डोनाल्ड ने अन्य टैरिफ का भी ऐलान किया है। अमेरिका ने भारत की आर्थिक प्रगति रोकने के लिए यह साझा खेल शुरू किया है। दरअसल, भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर वार्ता जारी है। रूस से तेल आयात करने से नाराज डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत के साथ दोगलिनीति अपनाई है।

अमेरिका ने पाकिश्तान को आतंकवाद पनाहगाह बताया था। पाकिश्तान के रस्ट्रपति शहबाज शरीफ पाकिश्तान के तेल भंडार देने के लिए तैयार है। भारत के साथ विश्वसनीयता बरकरार नही रखने वाले अमेरिका का पाकिश्तान भरोसा कर रहा है। शहबाज शरीफ की कई बार बेइज्जती के बाद पाकिश्तान अमेरिका के राष्ट्रपति को शांति पुरुष बता रहे है। अमेरिका छुपारुश्त है। भारत जैसे शक्तिशाली देश और विकसित राष्ट्र की तरफ आंगे बढ़ने वाले भारत के साथ अमेरिका दुर्व्यवहार कर सकता है तो क्या पाकिश्तान के साथ नहीं करेगा?अब तो अमेरिका इस्लामिक आतंकवाद पर खुलकर नही बोलेंगे? क्योंकि पाकिश्तान के साथ साझा भागीदारी के चलते द्विपक्षीय सम्बब्ध निभाने पड़ सकते है।

ग़ाज़ा शांति योजना - विश्व के लिये अछूत बनता इस्राईल

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रयासों से ग़ज़ा को लेकर नई शांति योजना घोषित की गयी है। कहा जा रहा है कि राष्ट्रपति ट्रंप व इस्राईली प्रधानमंत्री नेतन्याहू द्वारा संयुक्त रूप से प्रस्तावित यह योजना ग़ज़ा में सैन्य संघर्ष को समाप्त करने और इस क्षेत्र में दीर्घकालिक शांति स्थापित करने के लिए बनाई गई है।

प्रस्तावित शांति योजना के अंतर्गत मुख्य रूप से ग़ज़ा को "आतंक मुक्त" और उग्रवाद-मुक्त क्षेत्र बनाने का लक्ष्य है, जिससे पड़ोसी देशों के लिए कोई ख़तरा न रहे और वहां पुनर्निर्माण व विकास कार्य शुरू हो सकें। इस प्रस्तावित योजना के तहत इस्राईल अपनी सेना को चरणबद्ध तरीक़े से ग़ज़ा से हटाएगा, बशर्ते दोनों पक्ष यानी इस्राईल और हमास इस योजना को स्वीकार करें।

सार्वजनिक रूप से दोनों पक्षों द्वारा इस योजना को स्वीकार करने के 72 घंटे के भीतर सभी बंधकों की रिहाई की बात कही गई है। प्रस्तावित समझौते के अनुसार हमास के क़ब्ज़े में रखे गये बंधकों की रिहाई के बाद इस्राईल भी क़रीब 250 फ़िलिस्तीनी क़ैदियों सहित अन्य सैकड़ों गिरफ़्तार गाज़ा वासियों को रिहा करेगा।

इसके अतिरिक्त ग़ज़ा में अस्थायी रूप से एक अंतरराष्ट्रीय शासी बोर्ड बनेगा, जिसकी अध्यक्षता स्वयं डोनाल्ड ट्रंप करेंगे। इसमें पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर भी शामिल होंगे। शांति योजना के अनुसार हमास के जो सदस्य शांतिपूर्वक साथ रहने की शपथ लेंगे उन्हें तो मुआफ़ी दी जाएगी जबकि अन्य को सुरक्षित निकास या किसी इच्छुक देश में बसने का विकल्प मिलेगा।

अमेरिका व इस्राईल द्वारा गाज़ावासियों पर 'थोपी' जा रही इस शांति योजना पर मुस्लिम देशों के रवैये में एक राय नहीं है। सऊदी अरब, जॉर्डन, संयुक्त अरब अमीरात, क़तर, मिस्र, इंडोनेशिया और पाकिस्तान जैसे कई अन्य 'अमेरिका परस्त ' मुस्लिम राष्ट्रों ने इन शांति प्रयासों का समर्थन किया है तो ईरान और तुर्की जैसे देश इस योजना को 'अधूरी' और फ़िलिस्तीन के हक़ में अपर्याप्त मान रहे हैं। इन देशों का मानना है कि इस योजना से फ़िलिस्तीनी स्वायत्तता और हमास की भूमिका सीमित हो जाती है।

ईरान का मत है कि वह 'न्यायपूर्ण, संतुलित और स्थायी समाधान' के पक्ष में है और गाज़ा व फ़िलिस्तीन संबंधी किसी भी योजना में फ़िलिस्तीनी जनता की इच्छाओं व आकांक्षाओं की अनदेखी उचित नहीं है। ईरान ने इस योजना को 'चौंकाने वाला' और 'फ़िलिस्तीनियों के जबरन विस्थापन का प्रयास" बताया है। जबकि कई अरब देश ऐसे भी हैं जिन्होंने अमेरिका के नेतृत्व वाली इस प्रक्रिया के स्थायित्व को लेकर संदेह ज़ाहिर किया है।

इस योजना को लेकर नेतन्याहू का मानना है कि इस योजना से उनके युद्ध के उद्देश्य पूरे होंगे। इस योजना के लागू होने से बंधकों की वापसी, हमास की सैन्य क्षमताओं का विघटन, और भविष्य में ग़ज़ा से कोई ख़तरा न रहना सुनिश्चित हो सकेगा। ख़बरों के अनुसार हमास ने भी दूर दृष्टि का परिचय देते हुये इस नई शांति योजनया को स्वीकार कर लिया है।

ऐसे में एक बड़ा सवाल यह है कि गाज़ा जनसंहार के दोषी व गाज़ा शांति को लेकर पूरी दुनिया की अनदेखी करने वाले नेतन्याहू को आख़िर इस नई शांति योजना के लिये अचानक क्यों राज़ी होना पड़ा। यह समझने के लिये हमें पिछले दिनों संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र पर नज़र डालनी होगी।

दरअसल न्यूयार्क स्थित संयुक्त राष्ट्र महासभा में पिछले दिनों उस समय अजीब दृश्य देखने को मिला जब विश्व के इस सबसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मंच से इस्राईल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू अपना भाषण देने के लिये जैसे ही खड़े हुये उसी समय उनके भाषण का विश्व के अधिकांश देशों द्वारा बहिष्कार किया गया।

193 देशों की इस महासभा में सैकड़ों देशों के प्रतिनिधि व राजनयिक अपनी कुर्सियां छोड़कर सदन से बाहर चले गए जिससे महासभा का काफ़ी बड़ा हिस्सा ख़ाली रह गया।

उस समय नेतन्याहू के चेहरे पर परेशानी व असहजता के भाव साफ़ नज़र आ रहे थे। निःसंदेह यह दृश्य इस्राईल की वर्तमान आक्रामक नीतियों, विशेषकर उसके द्वारा गाज़ा में जारी सैन्य अभियान और इससे होने वाले जनसंहार, के प्रति वैश्विक असहमति व आक्रोश का प्रतीक बन था।

इस घटना के उस व्यापक निहितार्थ को भी समझने की ज़रुरत है जिसमें इस्राईल व नेतन्याहू के सन्दर्भ में अंतर्राष्ट्रीयक़ानून, नैतिकता, राजनीति और भविष्य की वैश्विक व्यवस्था पर सवाल खड़े होते हैं।

नेतन्याहू के भाषण के दौरान केवल अरब, मुस्लिम और अफ़्रीक़ी देशों के प्रतिनिधि ही बाहर नहीं गए, बल्कि अनेक यूरोपीय व पश्चिमी देशों के राजनयिकों ने भी नेतन्याहू के भाषण के विरोध में मंच छोड़ दिया। दरअसल यह बहिष्कार इस्राईल की अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर बढ़ती अलगाव और दुनिया की नज़रों में इस्राईल के 'अछूत' बनने की स्थिति की ओर संकेत करता है।

नेतन्याहू इस समय अमेरिका संरक्षित विश्व के सबसे बड़े 'अपराधी ' राष्ट्राध्यक्ष व एक बदनाम नेता के रूप में स्थापित हो चुके हैं। उनपर गाज़ा युद्ध में जनसंहार व युद्ध अपराध करने के आरोप हैं। इस व्यक्ति ने खाने के लिये लाइन में लगे भूखे लोगों पर, अस्पतालों पर शरणार्थी कैम्पस पर अनेक बार बमबारी करवाई है। अंतर्राष्ट्रीय अदालत ने उसके विरुद्ध गिरफ़्तारी वारंट जारी कर रखा है।

नेतन्याहू के विरुद्ध अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक अदालत ने नवंबर 2024 में वारंट जारी किया है जिसमें उसे 'युद्ध अपराध' और 'मानवता के ख़िलाफ़ अपराध' का आरोप लगाया गया है। इन आरोपों में भुखमरी को हथियार बनाना, नागरिकों की हत्या करवाना, उत्पीड़न, और अन्य अमानवीय कृत्य शामिल हैं। नेतन्याहू अंतर्राष्ट्रीय अदालत के सभी 125 सदस्य देशों की यात्रा के समय क़ानूनी तौर पर हिरासत में लिये जा सकते हैं।

उधर गाज़ा व फ़लिश्तीन की धरती को क़ब्ज़ा करने की फ़िराक़ में अपनी गिद्ध दृष्टि लगाये बैठे नेतन्याहू को दुनिया के कई प्रमुख देश एक के बाद एक झटके देते जा रहे हैं। मिसाल के तौर पर जिस फ़लिश्तीन को इस्राईल स्वतंत्र राष्ट्र मानने को तैयार नहीं उसी फ़लिश्तीन को फ्रांस, यूके, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया जैसे कई पश्चिमी देशों ने गत दिनों स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता दे दी।

दरअसल संयुक्त राष्ट्र महासभा में पिछले दिनों नेतन्याहू के भाषण का विश्व के अधिकांश देशों द्वारा किये गये बहिष्कार की घटना ने जहां नेतन्याहू को ट्रंप द्वारा प्रशतावित नई शांति योजना को स्वीकार करने के लिये मजबूर किया वहीँ कई प्रमुख पश्चिमी देशों द्वारा फ़लिश्तीन को राष्ट्र के रूप में मान्यता दिया जाना भी नेतन्याहू के लिये एक बड़ा झटका साबित हुआ है। वाशतव में अपनी जनसंहारक नीतियों से नेतन्याहू इस्राईल को दुनिया की नज़रों में एक अछूत देश बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे थे।

पीरपैंती का सवाल और विनाशकारी 'विकास' मॉडल

कुमार कृष्णन

भागलपुर ज़िले के पीरपैंती क्षेत्र की 1, 050 एकड़ भूमि को अडानी पावर को 33 वर्षों के लिए मात्र 1 रुपये प्रति एकड़ वार्षिक किराए पर देने का निर्णय बिहार में एक बड़ा राजनीतिक सवाल बन चुका है।

कांग्रेस के साथ -साथ महागठबंधन की सहयोगी पार्टियां इसका विरोध कर रही है। कांग्रेस ने इस सवाल पर पटना में मार्च तक किया। गत 15 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भागलपुर जिले के पीरपैंती में 2400 मेगावाट क्षमता वाले अल्ट्रा-सुपर क्रिटिकल थर्म पावर परियोजना का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शिलान्यास किया था। पूर्णिया में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा था कि लगभग 29, 000 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली यह परियोजना न सिर्फ बिहार बल्कि पूरे पूर्वी भारत की सबसे बड़ी कोयला आधारित बिजली परियोजना होगी।

दरअसल इस इलाके में आज से चालीस साल पहले 1985 साल पहले कहलगांव एनटीपीसी की वुनियाद रखी जा रही थी। उसी आसपास पर्यावरणविद् और गंगा मुक्ति आंदोलन के प्रणेता अनिल प्रकाश का एक आलेख जनसत्ता में प्रकाशित हुआ था -कहर ढ़ाएगा कहलगांव का बिजली घर! उस समय जो आशंका व्यक्त की गयी थी, आज सच साबित हो रही है। गंगा मुक्ति आंदोलन ने उस दौर में व्यापक विरोध किया था।

सरकार कांग्रेस की थी। कहलगांव एनटीपीसी प्लांट की आधारशिला 23 मई 1984 को बिहार के तात्कालीन मुख्यमंत्री चंद्रशेखर सिंह ने रखी थी। कहलगांव में एनटीपीसी सुपर थर्मल पावर प्लांट का काम 1985 में शुरू हुआ था। मार्च 1992 में 210 मेगावाट क्षमता की पहली इकाई चालू हुई थी। जब इसकी शुरुआत हुई थी तब स्थानीय लोगों ने विकास, रोजगार और बेहतर जीवन श्तर का सपना देखा था, लेकिन आज यह सपना धुंधला हो गया है। प्रदूषण, रोजगार की कमी, और बुनियादी सुविधाओं के अभाव ने ग्रामीणों की उम्मीदें तोड़ दी हैं। अब हालात इतने खराब हैं कि लोग गांव छोड़ने को मजबूर हैं। इलाके के आसपास के गांवों में प्रदूषण की स्थिति भयावह है। ग्रामीणों का कहना है कि प्लांट से निकलने वाली राख की आंधी ने उनका जीना दुश्वार कर दिया है। घरों, फसलों और पानी पर राख जम जाती है, जिससे लोग गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रहे हैं।

कहलगाँव में एनटीपीसी का पावर प्लांट पहले से है, जहां जमीन गंवाने वाले बहुत कम लोगों को रोजगार मिला है। लोग प्रदूषण की मार झेल रहे हैं। पास में झारखंड के गोड्डा की भी ऐसी ही स्थिति है-वहां कोयला ऑस्ट्रेलिया से आता है और बिजली बांग्लादेश को जाती है। झारखंड के लोगों को भी कुछ नहीं मिला। पूरे इलाके को खनन-ऊर्जा परियोजनाओं के माध्यम से घेर कर बर्बाद करने की योजना चल रही है। यहां कोल ब्लॉक और गैस पाइप लाइन की भी चर्चा चल रही है। पीरपैंती की उपजाऊ जमीन अडानी को सौंपना विकास नहीं, विनाश का है। यह सौदा किसानों की खेती, बागानों और पूरे इलाके की जिन्दगी पर सीधा हमला है।

विरोध इन्हीं कारणों से हो रहा है। गांधी जयंती के दिन इलाके में भाकपा माले के महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य का दौरा हुआ। उनका कहना था कि पीरपैंती में सरकार ने एनटीपीसी के नाम पर क्षेत्र के किसानों से उनकी बेशकीमती जमीनें ली और कहा यहां विकास होगा, लोगों को रोजगार मिलेगा। लेकिन एक रुपया की लीज पर अदाणी को जमीन दे दी जो गलत है। उन्होंने कहा कि लोगों ने उन्हें बताया कि उक्त अधिग्रहीत जमीन का मुआवजा भी सही ढंग से नहीं दिया गया है। भुगतान में भी विसंगति है।

जबकि उक्त जमीन बेशकीमती है। यहां तकरीबन 10 लाख आम और अन्य फलों के पेड़ हैं। लेकिन उन पेड़ों का भी कोई मुआवजा नहीं दिया गया है। मुखिया दीपक सिंह ने कमालपुर के परिवारों के पुनर्वास की मांग की तो उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। अन्य कई लोगों को नजर बंद कर दिया गया जो अन्याय है। हम इनकी लड़ाई लड़ेंगे। इस इलाके में एनटीपीसी के नाम पर 2010 में 7 पंचायतों की जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू हुई। अचानक 15 वर्षों के बाद यह जमीन अडाणी को दे दी गई।

किसानों का कहना है कि जमीन उन्होंने बिहार सरकार को दी थी अडाणी को नहीं। किसानों की लडाई उसी वक्त से चल रहा है। उन्होंने जिला प्रशासन से यह अपील की थी कि उपजाऊ जमीन की बजाय बगल की एकफसला जमीन को अधिग्रहण किया जाए ताकि नुकसान कम हो। बाद में वे उच्च न्यायालय गए लेकिन कोर्ट ने इस मामले में अजीब फैसला दिया गया। कोर्ट ने कहा कि सरकार किसानों से पूछ कर जमीन खरीदेगी क्या? तो यह पहला अन्याय था वहाँ के किसानों के साथ। दीपांकर भट्टाचार्य के साथ गए माले के घोषी विधानसभा से विधायक रामबली सिंह यादव, पूर्व विधायक मनोज मंजिल, तथा स्थानीय नेता महेश यादव, रणधीर यादव, रिंकू यादव, गौरीशंकर और भाकपा-माले, इंडिया गठबंधन और नागरिक समाज के कई प्रतिनिधि बताते हैं कि पावर प्लांट का सब्जबाग दिखाकर सच्चाई छुपाई जा रही है।

लोग बताते हैं कि उन्हें पहले से ही रोजगार मिल रहा है-आम के बगीचे लाखों परिवारों को आजीविका प्रदान करते हैं। जिनके पास जमीन है और जिनके पास नहीं है-दोनों को यहाँ रोजगार मिलता है। इतनी बड़ी संख्या में लोगों को उनकी जमीन, रोजगार और आजीविका से बेदखल करके अडानी को लाभ पहुँचाना मोदी व नीतीश सरकार की साजिश है। लोग बहुत नाराज हैं।

दीपांकर भट्टाचार्य कहते हैं -पीरपैंती में अडाणी पावर प्राजेक्ट, विकास नहीं विनाश का सौदा है। मुआवजे में तीन तरह की अनियमितताएं हैं। (क) एक ही मौजा, खाता, खेसरा की जमीन के लिए अलग-अलग दर पर मुआवजा दिया गया है। (ख) जिन किसानों ने जमीन खरीदी थी लेकिन कागज नहीं बना पाए थे, उन्हें मुआवजा नहीं मिल रहा। मामला कोर्ट में लंबित है (ग) कई लोगों को कोई भी मुआवजा नहीं मिला है। मुआवजे में ताकतवार लोगों को फायदा पहुंचाने की कोशिश की गई है जबकि गरीबों को सही से मुआवजा नहीं मिला।

कमालपुर टोले में विस्थापित होने वाले परिवारों का आरोप है कि इतने कम मुआवजा में वे कहां जमीन खरीदेंगे? सरकार उन्हें मकान बनाकर जमीन के बदले जमीन दे। यहां तकरीबन 64 घर विस्थापित किये जाएंगे, उन्हें लगातार नोटिस भेजी जा रही है।

जन आंदोलनों का राष्ट्रीय समन्वय ने अवैधिक और अपारदर्शी फैसले की कड़ी निंदा की है, और कहा है कि किसानों के अधिकारों, जनहित और पर्यावरणीय संतुलन को कॉरपोरेट मुनाफ़े के लिए थोपा जा रहा है। यह खुलेआम 'क्रोनी कैपिटलिज़्म' का उदाहरण है जो शासन में जनता के अविश्वास को और गहरा करता है I संगठन ने मांग की हैं कि पीरपैंती थर्मल पावर प्रोजेक्ट को तुरंत रद्द किया जाए और प्रभावित किसानों को उनकी अधिग्रहित भूमि वापस दी जाए, साथ ही अब तक हुए नुक़सान की पूरी भरपाई और पुनर्वास सुनिश्चित किया जाए।

संगठन ने कहा है कि इस परियोजना की लगभग 1, 050 एकड़ भूमि 915 किसानों की है, जिसमें से कई हिस्से उपजाऊ हैं और आम, लीची और अन्य फसलों की खेती में इश्तेमाल होते हैं। इस भूमि को "बंजर" घोषित करके अधिग्रहण किया गया।

कई किसानों को मुआवज़ा नहीं मिला या उन्हें दस साल पहले तय किए गए पुराने दरों पर भुगतान किया गया। एक बार का मुआवजा जीवनभर की आजीविका और भूमि से जुड़े। सांस्कृतिक-सामाजिक संबंध की हानि की भरपाई नहीं कर सकता।

यह उस संरचनात्मक असमानता को दिखाता है, जिसमें किसानों को पूंजीवाद के लाभोन्मुख 'विकास' में बलि का बकरा माना जाता है। विडंबना यह है कि जबकि सरकार दावा करती है कि उसके पास भूमिहीनों को देने के लिए भूमि नहीं है, वही हजारों एकड़ भूमि भारत के सबसे बड़े कॉरपोरेट समूहों में से एक को लगभग मुफ्त में लीज़ पर देने को तैयार है।

पीरपैंती थर्मल पावर प्लांट, जिसे 2, 400 मेगावाट कोयला आधारित संयंत्र के रूप में प्रशतावित किया गया है, सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए आपदा है। यह क्षेत्र पहले से ही कहलगाँव सुपर थर्मल पावर स्टेशन का केंद्र है, और एक और कोयला संयंत्र जोड़ने से मौजूदा प्रदूषण और बढ़ जाएगा। भागलपुर बार-बार भारत और दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल रहा है।

जनवरी 2024 में इसे भारत का दूसरा सबसे प्रदूषित और विश्व में 31वां सबसे प्रदूषित शहर दर्ज किया गया। पहले से ही प्रदूषित इस क्षेत्र में कोयले का बढ़ता उपयोग वायु और जल गुणवत्ता को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाएगा, श्वसन संबंधी रोगों को बढ़ाएगा और लाखों लोगों, विशेष रूप से सबसे संवेदनशील वर्ग के जीवन को प्रभावित करेगा। इस आपदा में और वृद्धि होगी क्योंकि 10 लाख पेड़ों की कटाई की योजना है, जिसका गंगा बेसिन के पारिस्थितिकी तंत्र पर अपरिवर्तनीय प्रभाव पड़ेगाभागलपुर गंगा के किनारे स्थित है, जो पहले से ही अत्यधिक दबाव में है। ऐसी परियोजनाएं सीधे इसके नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र को खतरे में डालती हैं और उन 'नदी संरक्षण मिशनों' की भावना का उल्लंघन करती हैं, जिनकी पैरवी सरकार करती है।

पीरपैंती परियोजना भारत की जलवायु प्रतिबद्धताओं के विपरीत है, जो पेरिस समझौते, उसके राष्ट्रीय श्तर पर निर्धारित योगदान और 2070 तक 'नेट ज़ीरो' लक्ष्य के तहत की गई हैं। भारत सरकार और बिहार राज्य सरकार दोनों ने नवीकरणीय ऊर्जा संक्रमण का समर्थन करने की बात कही है, फिर भी उनके कार्य एक विरोधाभासी और खतरनाक राश्ता दिखाते हैं, जो जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को और गहरा करता है। वैश्विक श्तर पर संदेश स्पष्ट हैः नई कोयला बिजली परियोजनाएँ उन जलवायु लक्ष्यों के साथ असंगत हैं, जिनकी आवश्यकता है कि हम विनाशकारी तापमान वृद्धि से बच सकें। भारत घरेलू श्तर पर अपने कोयला ढांचे का विश्तार करते हुए वैश्विक जलवायु नेतृत्व का दावा नहीं कर सकता।

संगठन ने कहा है कि अधिग्रहित भूमि को प्रभावित किसानों को लौटाया जाए और अब तक हुए किसी भी नुकसान के लिए पूरी पुनर्वास और मुआवज़ा सुनिश्चित किया जाए। विकास के नाम पर नई कोयला परियोजनाओं जैसे झूठे समाधानों को बढ़ावा देना बंद किया जाए। गंगा बेसिन की पारिस्थितिकी को खतरे में डालने वाली सभी परियोजनाओं को रोका जाए-भागलपुर केवल एक शहर नहीं, बल्कि गंभीर रूप से संकटग्रश्त नदी के किनारे स्थित जीवनरेखा क्षेत्र है।

पर्यावरणीय विनाश का राजनीतिक उपकरण के रूप में उपयोग बंद किया जाए-चुनावों से ठीक पहले इस परियोजना को जल्दबाज़ी और चुपचाप तरीके से थोपने का निर्णय को उजागर कर, विरोध किया जाना चाहिए। विकेंद्रीकृत, अक्षय ऊर्जा समाधानों को प्राथमिकता दी जाए, जो सम्मानजनक रोजगार प्रदान करें, स्वास्थ्य की रक्षा करें और बिहार और अन्य क्षेत्रों के लिए दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करें।

मिटाना होंगे न्यायपालिका के वर्तमान स्वरूप पर अंकित होते प्रश्नचिन्ह

डा. रवीन्द्र अरजरिया

विदेश की धरती पर देश की आन्तरिक व्यवस्था को कोसने का फैशन चल निकला है। सरकारों के विपक्षी दलों व्दारा तो अवसर मिलते ही संसार भर में भारत के संविधान की मनमानी परिभाषायें करने, वर्तमान स्वरूप की विकृत तस्वीर को पेश करने और व्यवस्था को कोसने के प्रयास किये जाते रहे हैं परन्तु अब देश की सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने भी सात समुन्दर पार जाकर आन्तरिक तंत्र की कार्य प्रणाली पर प्रश्नचिन्ह अंकित करने शुरू कर दिये हैं।

मारीशस में सन् 1978 से 1982 तक प्रधान न्यायाधीश के पद पर रहे प्रख्यात न्यायविद सर मौरिस रॉल्ट के स्मृति आयोजन 2025 का उद्घाटन भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई ने किया। मौरिस रॉल्ट स्मृति व्याख्यान में 'सबसे बड़े लोकतंत्र में कानून का शासन' विषय बोलते हुए जस्टिस गवई ने देश में हो रहे बुलडोजर एक्शन की कडे शब्दों में निंदा की।

कानून के शासन का सिद्धांत और भारत के उच्चतम न्यायालय द्वारा उसकी व्यापक व्याख्या पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि इस फैसले ने एक स्पष्ट संदेश दिया है कि भारतीय न्याय व्यवस्था बुलडोजर के शासन से नहीं बल्कि कानून के शासन से संचालित होती है। उल्लेखनीय है कि बुलडोजर कार्यवाही के मामले में दिए गए फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने माना है कि कथित अपराधों को लेकर अभियुक्तों के घरों को गिराना, कानूनी प्रक्रियाओं को दरकिनार करता है।

कानून के शासन का उल्लंघन करता है और संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत आश्रय के मौलिक अधिकार का उल्लंघन भी करता है। कार्यपालिका अन्य भूमिका नहीं निभा सकती। सामाजिक क्षेत्र में ऐतिहासिक अन्याय के निवारण के लिए कानून बनाए गए हैं और हाशिए पर पड़े समुदायों ने अपने अधिकारों का दावा करने के लिए अक्सर इनका और कानून के शासन की भाषा का सहारा लिया है।

उन्होंने कहा कि राजनीतिक क्षेत्र में कानून का शासन, सुशासन और सामाजिक प्रगति के मानक के रूप में कार्य करता है, जो कुशासन और अराजकता के बिल्कुल विपरीत है। आयोजन में मॉरीशस के राष्ट्रपति धर्मबीर गोखूल, प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम सहित वहां के प्रधान न्यायाधीश रेहाना मुंगली गुलबुल आदि भी उपस्थित थे। गत दो सप्ताह में जस्टिस गवई द्वारा बुलडोजर एक्शन की दूसरी बार निंदा की गई। देश के आन्तरिक हालातों पर अनेक दलों के जन्मजात नेताओं द्वारा हमेशा ही विदेशों का भावनात्मक सहयोग लेने हेतु देश को कोसने की घटनायें सामने आती रहीं हैं परन्तु मुख्य न्यायाधीश द्वारा अपने ही देश के आन्तरिक हालातों को रेखांकित करने का संभवतः यह पहला अवसर है।

अतिक्रमण करने की प्रवृत्ति को बढावा देने वाले इन फैसलों पर उत्तरदायी लोगों को एक बार पुनः गहराई से विचार करना चाहिए ताकि सरकारी भूमि, सरकारी सम्पत्ति और सरकारी व्यवस्था पर मौलिक अधिकार, नैतिक अधिकार और मानवीय अधिकारों के नाम पर हो रहे अवैध कब्जों पर पूर्णविराम लग सके। संविधान के जिस अनुच्छेद 21 के तहत आश्रय के मौलिक अधिकारों की बात की जा रही है, वह स्वाधीनता के समय पर भले ही प्रासांगिक रही हो परन्तु वर्तमान में वह हथियार बनाकर मनमानी, गुण्डागिरी और आतंकराज को खुला संरक्षण दे रहा है।

इस संबंध में सबसे पहले तो कार्यपालिका को दोषी ठहराया जाना चाहिए

जिसके द्वारा भारी भरकम वेतन के बदले में सौंपे गये दायित्वों की पूर्ति में कोताही बरतते हुए अतिक्रमण के प्रारम्भिक काल में कार्यवाही नहीं की जाती। यही अतिक्रमण बाद में षडयंत्रकारियों के लिए आश्रय का मौलिक अधिकार बनकर खडा हो जाता है।

अतिक्रमणकारियों के साथ-साथ कार्यपालिका के उत्तरदायी अधिकारियों पर जब तक कठोर दण्डात्मक कार्यवाही नहीं होगी तब तक न तो अतिक्रमण जैसे आपराधिक कृत्यों की इति होगी और न ही उनके संरक्षणदाताओं की नस्लें ही समाप्त हो सकेंगी। राजस्व सहित अन्य विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा विभागीय सम्पत्ति की सतत सुरक्षा, नियमित निगरानी और तत्काल कार्यवाही न होने करने के परिणामस्वरूप अतिक्रमण जैसी घटनायें सामने आती हैं।

उन अवैध कब्जों पर विद्युत विभाग द्वारा बिजली का कनेक्शन, स्थानीय निकायों द्वारा सडकों का निर्माण, जल संस्थान द्वारा जलापूर्ति सहित आधार कार्ड, वोटर कार्ड, राशन कार्ड जैसे दश्तावेज भी जारी हो रहे हैं। ईमानदार करदाताओं की खून-पसीने की कमाई से मोटी पगार उठाने वाले सरकारी मुलाजिमों से नियमित रूप से दैनिक कार्य आख्या न मांगने के कारण ही उसका एक बडा तबका मनमानियों, अनियमितताओं और लापरवाहियों के निरंतर कीर्तिमान गढता चला जा रहा है। कहा जाता है कि न्यायपालिका द्वारा भी कार्यपालिका की अधिकांश अनियमितताओं को निरंतर नजरंदाज किया जाता रहा है। जब तक स्वतः संज्ञान लेकर उच्चतम न्यायालय द्वारा समाज के अंतिम छोर पर बैठे पीडित व्यक्ति को राहत देने की पहल नहीं की जायेगी, कार्यपालिका के अधिकारियों–कर्मचारियों को उनकी लापरवाहियों के लिए कठोर दण्ड नहीं दिये जायेंगे और अनुशासन का सभी पर कडाई से पालन नहीं कराया जायेगा तब तक देश के वर्तमान हालातों का सकारात्मक दिशा में तीव्रगामी होना असम्भव नहीं तो कठिन अवश्य है।

मिटाना होंगे न्यायपालिका के वर्तमान स्वरूप पर अंकित होते प्रश्नचिन्ह तभी पारदर्शिता के व्यवहारिक मापदण्ड स्थापित हो सकेंगे। वर्तमान में उच्च और उच्चतम न्यायालयों तक केवल और केवल धनपतियों के माध्यम से ही पहुंच सम्भव हो पा रही है। इन न्यायालयों से केवल और केवल अंग्रेजी में ही संवाद करने की व्यवस्था है और काले कोटधारी काले अंग्रेजों तक चांदी के सिक्कों से ही सम्पर्क संभव हो पा रहा है।

नोटों की गड्डियों का विकल्प बनकर राजनैतिक पहुंच, व्यक्तिगत लाभ और स्वार्थ के मापदण्ड भी सामने आ रहे हैं। वैदिक संस्कृति से जुडे आयुर्वेद, संस्कार, लोकाचार, लोकरीति, परम्पराओं जैसी विरासतों पर न्यायालयों में कभी याचिकायें प्रश्तुत हो जातीं है तो कभी कोर्ट द्वारा स्वतः संज्ञान ले लिया जाता है। कोरोना काल में तो अंग्रेजी दवाओं की मनमाना उपयोग होता रहा जबकि आयुर्वेद नुस्खों पर खासी पाबंदी लगाई जाती रही।

आयुर्वेद के प्रचार पर भी मौका मिलते ही नकेल कस दी जाती है। सनातन को निशाना बनाने के अनगिनत मामले न्याय के मंदिर से फरमान बनकर जारी होते रहे हैं। इतिहास गवाह है कि देश के सर्वोच्च पद पर आसीत राष्ट्रपति को भी कटघरे में खडे करने हेतु कोशिशें हो चुकीं हैं। ऐसे में विदेश की धरती पर देश के आन्तरिक हालातों को मुख्य न्यायाधीश व्दारा रेखांकित करने की घटना ने उनके लिए स्वःचिन्तन की आवश्यकता का धरातल तैयार कर दिया है।

आम आवाम को भी न्याय व्यवस्था के वर्तमान स्वरूप की समीक्षा करना होगी तभी नूतन कालखण्ड की चुनौतियों से निपटना संभव हो सकेगा। स्वाधीनता काल की तात्कालिक परिस्थितियों में निर्मित किये गये संविधान को वर्तमान के साइबर युग के अनुरूप नये ढंग से संशोधित करना होगा तभी अंतरिक्ष पर पहुंच चुकी दुनिया के साथ कदमताल संभव हो सकेगा। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

डेयरी संचालको पर लगा 63 हजार का जुर्माना

✹ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✹

शहर में अवैध डेयरी संचालको द्वारा गोबर व गंदगी सड़क व नालियों में बहाने के कारण सफ़ाई व्यवस्था में आ रही बाधा हो देखते हुए शनिवार को नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा के निर्देश पर पशु कल्याण अधिकारी राजेश गुप्ता के नेतृत्व में पर डेयरी संचालकों पर कार्यवाई करते हुए 63 हजार का भारी जुर्माना वसूल किया है।'

पशु कल्याण अधिकारी डॉ राजेश वर्मा के साथ एसएफआई डॉ रामजीलाल नगर निगम इंफोर्समेंट ने ढपरा रोड पर अवैध डेयरी संचालकों के विरुद्ध कार्यवाई के लिये अभियान चलाया गया। अभियान की अगुवाई करते हुए पशु कल्याण अधिकारी ने नालियों में गोबर बहाने वाले डेयरी संचालकों के विरुद्ध कार्यवाई करते हुए 63 हजार रूपये का जुर्माना वसूलते हुए डेयरी संचालको को कड़ी चेतावनी देते हुए गोबर व गंदगी नाले नालियों में न बहाने की कड़ी हिदायत दी। नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने कहा शहर की छवि ख़राब करने वालो के विरुद्ध नगर निगम सख्त से सख्त कदम उठाएंगे जो लोग लगातार चेतावनी के बावजूद सफ़ाई व्यवस्था को बाधित कर रहे है उनको चिन्हित कर उनके विरूद्ध कार्रवाई के लिए अधिनस्थों को निर्देश दिए गए है।

बालिकाओं को दी पर्सनल सेफ्टी की सीख

✹ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✹

जिला प्रोबेशन अधिकारी अजित कुमार के निर्देशन में मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत जिले के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में "पर्सनल सेफ्टी" थीम आधारित जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विनीत इंटर कॉलेज, टीकाराम इंटर कॉलेज एवं सिद्धार्थ पब्लिक स्कूल में शनिवार को आयोजित कार्यक्रमों में छात्राओं को आत्मरक्षा के महत्व और व्यक्तिगत सुरक्षा से जुड़े आवश्यक टिप्स बताए गए।

बालिकाओं को यह भी बताया गया कि विपरीत परिस्थितियों में वे किस प्रकार साहस एवं समझदारी से अपना बचाव कर सकती हैं। कार्यक्रम के दौरान महिला कल्याण विभाग की ओर से प्रतिभागियों को 181 महिला हेल्पलाइन, 1090 वूमेन पावर लाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 112 आपातकालीन सेवा सहित अन्य हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। साथ ही विभागीय योजनाओं- महिला समृद्धि योजना, कन्या सुमंगला योजना के बारे में भी विश्तार से बताया गया। विनीत इंटर कॉलेज में नीतू सारस्वत, सीमा अब्बास एवं पुलिस विभाग से साधना, टीकाराम इंटर कॉलेज में वंदना शर्मा एवं पुलिस विभाग की टीम जबकि सिद्धार्थ पब्लिक स्कूल में वर्षा शर्मा और विद्यालय स्टाफ़ उपस्थित रहे। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य बालिकाओं को सशक्त बनाना, आत्मविश्वास बढ़ाना और उन्हें सुरक्षा संबंधी अधिकारों के प्रति जागरूक करना रहा।

आगरा रोड़ पर शुरू सार्वजनिक 10 सीटर शौचालय

✹ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✹

स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत अलीगढ़ नगर निगम द्वारा आगरा रोड निकट चिरंजी लाल इंटर कॉलेज के पास 10 सीटर सार्वजनिक शौचालय का शुभारंभ महापौर प्रशांत सिंघल और नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने संयुक्त रूप से रिबन काटकर किया।

लगभग 10 लाख की लागत से बने इस शौचालय में महिला और पुरुष के लिए 5-5 सीटर शौच की समुचित सुविधा एवं सुरक्षा की व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया नगरीय क्षेत्र में शौचालय और मूत्रालय की व्यवस्थाओं को प्रभावी बनाने के लिए नगर निगम द्वारा प्रमुख बाजारों मार्गो सार्वजनिक स्थानों के पास स्थान चिन्हित किया जा रहे हैं आने वाले दिनों में शहर में कई पिंक और सार्वजनिक शौचालय का निर्माण कराया जाएगा। महापौर प्रशांत सिंघल ने कहा पिंक शौचालय और सार्वजनिक शौचालय के निर्माण के लिए नगर निगम पूर्ण रूप से प्रयासरत है।

खेतों में जगह जगह जल रही पराली, कौन लेगा जिम्मेदारी?

✹ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✹

थाना हरदुआंगज क्षेत्र के गांव जलाली क्षेत्र में धान की फसल कटने के बाद किसानों द्वारा खेतों में पराली जलाई जा रही है। इस गतिविधि से वायु प्रदूषण का खतरा लगातार बढ़ रहा है।

जिससे पर्यावरण और जन स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। पराली जलाने से कार्बन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड और वाष्पशील कार्बनिक यौगिक जैसी हानिकारक गैसें वायुमंडल में फैलती हैं। ये गैसें हवा की गुणवत्ता को खराब करती हैं और जमीन पर भारी धुंध का निर्माण करती हैं, जिससे स्वास्थ्य संबंधी गंभीर जोखिम पैदा होते हैं।

इसके अतिरिक्त, पराली जलाने से ग्रीन हाउस प्रभाव में वृद्धि होती है, जो जलवायु परिवर्तन में योगदान देता है। इसके गंभीर नुकसानों में मिट्टी की उर्वरता में कमी और फसल उत्पादन में गिरावट शामिल है। यह मिट्टी के सूक्ष्म जीवों को नष्ट कर देती है, जिससे मिट्टी की उपजाऊ शक्ति कम होती है। संजीव रंजन ने इस संबंध में जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि गांव-गांव में लेखपाल और कानूनगो की राजस्व टीम भेजी जाएगी। यह टीम किसानों को खेतों में पराली न जलाने के लिए जागरूक करेगी और इसके दुष्परिणामों से अवगत कराएगी।

काशी में आफत की बारिश: बीएचयू में ऑक्सीजन सिलिंडर लदा वाहन फंसा, इमरजेंसी में घुसा पानी, 136 साल का टूटा रिकॉर्ड

वाराणसी , एजेंसी। 136 साल के इतिहास में पहली बार अक्तूबर के 24 घंटे में काशी में 180 मिलीमीटर की बारिश हुई है। बीएचयू के मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, 1889 से अधिकतम और न्यूनतम तापमान के साथ बारिश का रिकॉर्ड तैयार किया जा रहा है लेकिन ऐसी बारिश पहली बार हुई है।

जितनी बारिश 24 घंटे में हुई है, उतनी पूरे अक्तूबर में कभी नहीं हुई है। वहीं, बीएचयू अस्पताल में ऑक्सीजन सिलिंडर लदा वाहन जलभराव में फंस गया। इमरजेंसी में भी पानी भर गया। 9 अक्तूबर 1900 में 24 घंटे के दौरान 138.9 मिलीमीटर बारिश हुई थी। बारिश का यह रिकॉर्ड भी अब टूट गया है। दूसरी तरफ शनिवार को देर रात तक 57 मिमी बारिश हुई है।

मौसम विज्ञान विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, वाराणसी में कभी अक्तूबर में इतनी बारिश नहीं हुई थी। अब तक का रिकॉर्ड 2013 का रहा है, जब महीने के 31 दिनों में कुल 153.5 बारिश रिकॉर्ड की गई थी। शुक्रवार यानी तीन अक्तूबर को वाराणसी में अक्तूबर के पिछले रिकॉर्ड से 34 मिमी ज्यादा बारिश हुई।

इस अक्तूबर के शुरुआती चार दिनों की औसत बारिश से ये आंकड़ा 2000 गुना ज्यादा है। यूपी आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अतुल कुमार सिंह ने बताया कि बनारस बारिश के सिस्टम के दक्षिणी पश्चिमी हिस्से में आ गया था। फिलहाल अब रविवार से बनारस में न तो बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

शुक्रवार की बारिश का इतना प्रभाव रहा कि शनिवार को भी बनारस का अधिकतम तापमान सामान्य से 5.6 डिग्री लुढ़क गया। बीएचयू के मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, जो तापमान 33.2 डिग्री सेल्सियस होना चाहिए था, वह 27.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। शनिवार को 15 से 20 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। हवा में नमी 87 से 100 फीसदी तक रही। शनिवार को भी बनारस में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया था लेकिन 57 मिलीमीटर बारिश हुई।

पार्किंग में चली बाल रोग विभाग की ओपीडी : शुक्रवार सुबह 10 बजे से शुरू होकर 20 घंटे तक की बारिश में बीएचयू अस्पताल परिसर में जलभराव हो गया। अस्पताल के मेन गेट से ओपीडी, इमरजेंसी तक कमर तक पानी भरा रहा। इससे मरीज और तीमारदार मुश्किल से डॉक्टर तक पहुंच सके।

दो पहिया वाहन पानी में डूबे रहे। बाल रोग विभाग के सामने 100 से ज्यादा ऑक्सीजन सिलिंडर लदी गाड़ी फंस गई। मरीजों को लेकर जा रही एंबुलेंस, निजी चार पहिया वाहन बंद हो गए। उधर ट्रॉमा सेंटर के गेट से लेकर अंदर भी पानी भरा रहा। कई मरीजों को लेकर तीमारदार आईएमएस के सामने अस्पताल के गेट पर अंदर बहुत देर तक खड़े रहे।

बाद में बाहर निकलकर एमएस आफिस होते हुए मोर्चरी के रास्ते इमरजेंसी जाने वाले रास्ते पर पहुंचे तो यहां भी पानी भरा रहा। बहुत मुश्किल से मरीज, तीमारदार इमरजेंसी तक पहुंच सके। जिस सीसीआई लैब जांच काउंटर पर आम दिनों में मरीजों की लंबी लाइन दिखती है, वहां सन्नाटा पसरा रहा।

बाल रोग विभाग में शनिवार को प्रो. सुनील कुमार राव की ओपीडी थी। लिहाजा वह समय से किसी तरह पानी में घुसकर विभाग पहुंचे। कुछ मरीज बाहर ही खड़े थे। लिहाजा डॉ. अनिल कुमार सरोज के सहयोग से पार्किंग में ही कुर्सी पर बैठ गए। आईएमएस निदेशक प्रो. एसएन संखवार ने बताया कि बीएचयू अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर परिसर में जलभराव को लेकर कई बार इंजीनियरों से बातचीत हुई है। चेतावनी दी गई है, जिससे कि फिर इस तरह की घटना न हो। बारिश ने यातायात व्यवस्था को भी डूबो दिया। सड़क पर जलभराव ने वाहनों की रफ्तार रोक दी। शनिवार सुबह बरेका अंडरपास में जलभराव के चलते दोनों तरफ रस्सी से बैरिकेड कर रास्ता बंद किया गया। प्रवेश और निकास द्वार पर रस्सी और पेड़ की टहनियां रखकर रास्ता अवरुद्ध कर दिया, ताकि कोई वाहन या व्यक्ति गलती से प्रवेश न कर जाए।

सुंदरपुर रोड पर कैंसर अस्पताल के सामने सड़क पर गिरे पेड़ के चलते दिन भर नरिया की ओर जाने वाले वाहनों की कतार रही। लंका मालवीय चौराहे पर जलभराव के चलते बीएचयू गेट से आवाजाही करने वाले वाहन फंस गए। सामनेघाट, भगवानपुर और लौटूवीर में लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सुंदरपुर-नरिया मार्ग पर कैंसर अस्पताल के सामने हनुमान मंदिर के बगल में पाकड़ का पेड़ गिर गया। शनिवार को रास्ते पर दोपहर बाद तक जाम लग रहा।

जिले में शुक्रवार सुबह से लेकर देर रात तक लगातार बारिश की वजह से शनिवार को सुबह अवकाश नहीं होने के बाद भी विद्यालय नहीं खुले।

एमएलसी चुनाव 2026: मतदाता बनने के लिए करें ऑनलाइन आवेदन

आगरा, एजेंसी। शिक्षक-स्नातक एमएलसी चुनाव में मतदाता बनने के लिए आवेदन शुरू हो गए हैं। 6 नवंबर तक ऑनलाइन और तहसील, ब्लॉक व नगर पंचायत कार्यालय पर फॉर्म जमा होंगे। 30 दिसंबर तक अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होगी। फरवरी 2026 में आगरा खंड शिक्षक-स्नातक विधान परिषद सदस्य का चुनाव हो सकता है।

आगरा शिक्षक और स्नातक खंड में 12 जिले शामिल हैं। आगरा, फिरोजाबाद, मथुरा, एटा, हाथरस, इटावा, फर्रुखाबाद, कन्नौज, औरैया, अलीगढ़, मैनपुरी और कासगंज के शिक्षक व स्नातक खंड की दो सीट पर चुनाव होगा। आयोग ने मंडलायुक्त शैलेंद्र कुमार सिंह को दोनों निर्वाचन क्षेत्र का रिटर्निंग ऑफिसर बनाया है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी एडीएम सिटी यमुनाधार चौहान ने बताया कि 1 नवंबर 2025 को अर्हता पूरी करने वाले शिक्षक और स्नातक 6 नवंबर तक मतदाता बनने के लिए आवेदन कर सकते हैं।

स्नातक मतदाता बनने के लिए निर्वाचन क्षेत्र का निवासी होना अनिवार्य है। एक नवंबर 2025 से तीन वर्ष पूर्व स्नातक या समतुल्य अर्हता रखता हो, वह स्नातक मतदाता बन सकता है। इसी तरह 1 नवंबर 2025 से छह वर्ष के अंदर कम से कम 3 साल के लिए राज्य में शैक्षणिक संस्थान में शिक्षण कार्य करने वाले शिक्षक मतदाता बन सकते हैं। इसके लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। इसके अलावा सभी तहसील, ब्लॉक, नगर पालिका एवं निर्धारित मतदेय स्थलों पर आवेदन फॉर्म जमा किए जा सकते हैं।

दो सिपाहियों का षड्यंत्र बेनकाब - निजी गाड़ी से कैदी भगाने की साजिश नाकाम, फर्जी पेशी का पर्दाफाश

✹ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✹

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद स्थित डासना जेल से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसमें दो पुलिस सिपाहियों पर कैदी को भगाने की साजिश रचने का गंभीर आरोप लगा है।

पुलिस लाइन में तैनात सिपाही राहुल कुमार और सचिन को कविनगर थाना पुलिस ने शनिवार, 4 अक्टूबर को गिरफ्तार कर लिया। मामला सामने आने के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मचा हुआ है और इस प्रकरण ने पुलिस की साख पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार, दोनों सिपाही 4 अक्टूबर को सरकारी वाहन के बजाय निजी कार से डासना जेल पहुंचे थे। उस दिन कुल छह कैदियों की अदालत में पेशी तय थी, लेकिन दोनों सिपाहियों ने केवल एक कैदी, बिजेंद्र, को गौतम बुद्ध नगर अदालत ले जाने पर ज़ोर दिया। जेल प्रशासन को इस पर संदेह हुआ और जब रिकॉर्ड जांचे गए तो यह स्पष्ट हुआ कि उस दिन गौतम बुद्ध नगर में बिजेंद्र की कोई पेशी निर्धारित ही नहीं थी। इस खुलासे के बाद जेल अधीक्षक ने तत्काल उच्च अधिकारियों को मामले की सूचना दी, जिससे यह साजिश समय रहते नाकाम हो गई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस लाइन के रिज़र्व इंस्पेक्टर ने कविनगर थाना में दोनों सिपाहियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दोनों को गिरफ्तार कर लिया और उनसे विश्तृत पूछताछ की जा रही है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह मामला कानून-व्यवस्था और पुलिस की विश्वसनीयता से सीधे जुड़ा हुआ है, इसलिए दोनों के खिलाफ कठोर कानूनी और विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

यह पूरा घटनाक्रम पुलिस विभाग की आंतरिक कार्यप्रणाली और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाता है। निजी वाहन से जेल पहुंचना, पेशी से जुड़े दश्तावेजों में गड़बड़ी करना और केवल एक कैदी को बाहर ले जाने की जिद - यह सभी पहलू इस साजिश के सुनियोजित होने की ओर संकेत करते हैं। जेल प्रशासन की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई के कारण एक संभावित बड़ी घटना टल गई।

फिलहाल वरिष्ठ अधिकारी पूरे प्रकरण की गहराई से जांच कर रहे हैं ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।

काली कमाई खपाने को जीएसटी अफसरों का पैंतरा

रॉयल्टी बढ़ाकर खरीदे पहाड, बिल्डर को ढाल बनाकर अकूत धन लगाया ठिकाने

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में राज्यकर विभाग के अधिकारियों द्वारा जमीनों में अरबों रुपये निवेश के मामले की फाइल अभी ठीक से खुल भी नहीं सकी है कि एक और मामले ने खलबली मचा दी है। विभाग के कुछ अधिकारियों पर आरोप है कि उन्होंने अरबों की अघोषित आय को छिपाने के लिए मिर्जापुर और सोनभद्र में डोलो स्टोन, सैंड स्टोन और लाइम स्टोन से भरपूर पहाड़ ही खरीद डाले। दूसरी तरफ अंबेडकरनगर के बिल्डर के जरिये जमीनों की खरीद-फरोख्त की जांच ने भी तेजी पकड़ ली है। इसके दायरे में कई बड़े अधिकारी भी आ गए हैं।

जीएसटी प्रणाली वर्ष 2017 की दूसरी छमाही में आई। इससे पहले नोटबंदी ने कमर तोड़ दी थी। इसके दो साल बाद कोरोना आ गया, जो आपदा में अवसर बना। विभागीय सूत्रों के मुताबिक इस दौरान हुई अकूत कमाई को सुरक्षित रूप से ठिकाने लगाने के लिए एक तरफ अवध के बिल्डर को ढाल बनाया गया तो दूसरी तरफ विभाग के एक प्रभावशाली गुट ने पूर्वांचल के पहाड़ों में पैसा खपाया।

सिंडिकेट के आने के बाद रेट आसमान पर चले गए: सूत्रों के मुताबिक, इस गुट ने सोनभद्र और मिर्जापुर में पहाड़ खरीदे हैं। सोनभद्र में डोलो स्टोन के पहाड़ हैं। यहां लाइम स्टोन भी है जिसका सीमेंट में इस्तेमाल होता है। कुछ जगह कोयला भी है। पहले यहां डोलो स्टोन का रेट 160 रुपये घनमीटर था। टेंडर से 3000 रुपये घनमीटर तक चला गया। सिंडिकेट के आने के बाद रेट आसमान पर चले गए।

इसी तरह मिर्जापुर में सैंड स्टोन पाया जाता है। इससे सड़कों में पड़ने वाली गिट्टी तैयार की जाती है। पहले इसका रेट 110 रुपये घन मीटर रेट था। ई टेंडर प्रणाली के बाद रॉयल्टी 400 से 1000 रुपये घनमीटर तक पहुंच गई। एक साल में एक लाख घनमीटर से पांच लाख घनमीटर तक खनन पर रॉयल्टी देनी पड़ती है। यानी एक पहाड़ की रॉयल्टी ही औसतन 20 से 30 करोड़ रुपये सालाना है।

इसकी आड़ में अघोषित आय को खपाया गया : सूत्रों के अनुसार, सिंडिकेट टेंडर में रेट दस-बीस गुना बढ़ाकर पहाड़ खरीद रहे हैं। अधिकांश सालभर से पहले ही सरेंडर कर देते हैं। इसकी आड़ में कालेधन को सफेद कर लिया जाता है। सूत्रों के मुताबिक, पहाड़ों की इस खरीद-फरोख्त में विभाग का एक गुट सक्रिय है। इसकी आड़ में बड़ी संख्या में अघोषित आय को खपाया गया है। इस खेल में कमाई से ज्यादा फोकस अपनी अघोषित आय को खपाना है।

अकराबाद सीएचसी: बहू पर्चा बनवाने के लिए लाइन में लगी थी, सास को आया हार्ट अटैक, हुई मौत, होगी जांच

अलीगढ़ , एजेंसी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अकराबाद में 4 अक्तूबर को बीमार सास को लेकर उपचार कराने पहुंची बहू पर्चा बनवाने के लिए लाइन में लगी थी, करीब आधा घंटा उन्हें लाइन में लगे हुए हो गया। इस दौरान सास रामा देवी (75) की तबीयत और बिगड़ गई। उन्होंने अस्पताल की सीढ़ियों पर बैठे-बैठे ही दम तोड़ दिया।यह घटना कस्बे में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर शनिवार दोपहर करीब डेढ़ बजे हुई।

मरने वाली महिला रामा देवी गांव करहला की रहने वाली थी। उनकी पुत्रवधू गीता देवी ने बताया कि पिछले कई दिनों से उनकी सास की तबीयत खराब थी। उन्हें चक्कर आ रहे थे, बीपी भी लो हो रहा था। 4 अक्तूबर दोपहर को वह उन्हें दवा दिलाने के लिए लाई थी। यहां स्टाफ ने कहा कि पहले पर्चा बनवाकर लाओ। उस समय पर्चा बनवाने वालों की लाइन लगी थी और वह भी उसमें लग गई। करीब आधा घंटा उन्हें लाइन में लगे हुए हो गया।

सास को उसने अस्पताल की सीढ़ियों के पास बैठा दिया था। अचानक उनकी सास बैठे-बैठे गिर गई। हल्ला मचा तो बाद चिकित्सक और स्टाफ दौड़ा और उनका चेकअप किया लेकिन तब तक उनकी सांसें थम गई थीं। परिजनों का आरोप है कि पहले गंभीर हाल मरीज को उपचार दिया जाना चाहिए था या पर्चा बनवाना जरूरी था जितना समय पर्चा बनवाने के लिए लाइन में लगे हो गया, यदि उतने में उपचार शुरू कर दिया गया होता बुजुर्ग रामादेवी की जान बच सकती थी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉक्टर विकास रघुवंशी ने बताया कि महिला को हार्ट अटैक आया, महिला सीढ़ियों पर गिर गई थी, उन्होंने तुरंत रेफर स्लिप भी बनाई थी, लेकिन परिजन उन्हें लेकर चले गए। उधर, घटना की सूचना पर परिवार के अन्य लोग भी सीएचसी पर पहुंच गए और रामा देवी शव को घर ले गए हैं।

दशहरे का मेला देखने निकले स्वीट हाउस संचालक का शव सड़क के किनारे मिला, खून से लथपथ था शव

प्रयागराज , एजेंसी। नैनी क्षेत्र की पुरानी प्रसिद्ध मिठाई की दुकान कुशवाहा स्वीट्स के संचालक राजकुमार कुशवाहा का शव रविवार की भोर में पुरानी जीटी रोड स्थित शुआटस के समीप सड़क के किनारे मिलने से सनसनी फैल गई। वह शनिवार रात 11 बजे दुकान बंद करवाने के बाद डांडी बाजार दशहरे का मेला देखने के लिए घर से निकला था। मौके पर पहुंची पुलिस ने उसकी मोटर साइकिल से मिले कागजात से उसकी पहचान की और परिजनों को जानकारी दी। मृतक के गले से चार तोले सोने की जंजीर और उसका मोबाइल मौके से गायब था। घटना से मृतक के घर में कोहराम मचा हुआ है।

नैनी थाना क्षेत्र के अरैल मोड़ निवासी स्व. राम दुलारे कुशवाहा के तीन बेटों में दूसरे नंबर का बेटा राजकुमार कुशवाहा (40) के तीन बच्चे हैं। पिता की मौत के बाद वह दुकान संभालने लगा था। शनिवार की रात अपनी मोटर साइकिल से वह डांडी का दशहरा देखने के लिए घर से निकला था।

रविवार भोर में उसका शव शुआटस के समीप सड़क के किनारे पड़ा मिला। कुछ दूर पर उसकी मोटर साइकिल गिरी हुई थी और वह खून से लथपथ था। शरीर पर चोट के निशान थे। रविवार की सुबह में परिजनों को जब घटना की जानकारी मिली तो कोहराम मच गया। लोग रोते बिलखते मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को वहां से चीर घर भेज दिया था। परिजनों का कहना है कि जब वह घर से निकला था तब उसके गले में सोने के चार तोले की जंजीर थी और मोबाइल था, जो मौके से नहीं मिला है।

बरेली में 400 दुकानों के बाहर अतिक्रमण पर चला बुलडोजर

बरेली , एजेंसी। बरेली के सैलानी में मुख्य सड़क के दोनों किनारे बनीं करीब 400 दुकानों के बाहर अवैध कब्जों पर शनिवार को नगर निगम का बुलडोजर चला। नाले-नालियों के ऊपर का अवैध निर्माण गिराया गया। दो घंटे तक चली कार्रवाई में नालों पर डाले गए स्लैब व टिन शेड हटाए गए। इस कार्रवाई को शहर में हुए बवाल से जोड़कर देखा जा रहा है। बवाल में नामजद सर्वाधिक आरोपी और उनके मददगार इसी इलाके के रहने वाले हैं। हालांकि, नगर आयुक्त ने इसे निगम की रूटीन कार्रवाई बताया है।

भारी पुलिस बल और प्रशासन के अधिकारियों के साथ नगर निगम की टीम ने शनिवार दोपहर 1:45 बजे श्यामगंज के निकट सैलानी रोड पर अतिक्रमण हटाना शुरू किया। शाम चार बजे तक नगर निगम के बुलडोजर ने दो किलोमीटर हिस्से में कार्रवाई की। दुकानों के बाहर नाले-नालियों पर बने स्लैब और चबूतरे तोड़े। नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य, अपर नगर आयुक्त शशिभूषण राय, एडीएम प्रतिभा सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

ज्यादातर आरोपी इसी इलाके के : बवाल के मुकदमों में जिस इलाके के ज्यादा आरोपी नामजद हैं, नगर निगम भी वहीं पर फोकस कर रहा है। सैलानी के बाद अब ऐसे अन्य मोहल्लों में अतिक्रमण पर कार्रवाई का खाका खींचा गया है। पुलिस और प्रशासन की टीम के साथ नगर निगम ने बुलडोजर चलाने की तैयारी की है।

नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने बताया कि दुकानों के बाहर सड़क पर अस्थायी निर्माण से ट्रैफिक बाधित हो रहा था। इसलिए कब्जे हटवाए गए हैं। यह नगर निगम का नियमित अभियान है। इसका शहर में हुए बवाल से कोई लेना-देना नहीं है। इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

बिहारीपुर, किला, स्वालेनगर और जगतपुर में भी गरजेगा बुलडोजर

नगर निगम का अतिक्रमण हटाओ अभियान अब लगातार जारी रहेगा। सैलानी के बाद अब बिहारीपुर, किला, स्वालेनगर, जगतपुर, आजमनगर, जखीरा और चक महमूद में बुलडोजर चलाने की तैयारी है। सोमवार से फिर अभियान चलेगा। मौलाना तौकीर रजा की गिरफ्तारी के बाद अब उनके करीबियों और बवाल के आरोपियों पर पुलिस और प्रशासन शिकंजा कस रहा है।

वर्ल्ड कप से पहले ही रोहित विराट का करियर होगा खत्म?

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा और विराट कोहली को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है. रोहित-कोहली ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है. ऐसे में उनकी मैदान पर वापसी का फैन्स को बेसब्री से इंतजार है. ये इंतजार 19 अक्टूबर को खत्म होगा, जब भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला खेलेगी.

बड़ी बात ये है कि रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया दौरे पर स्पेशलिस्ट बल्लेबाज के तौर पर खेलेंगे क्योंकि अब उन्हें वनडे टीम की कप्तानी से हटा दिया गया है. रोहित की जगह शुभमन गिल टेस्ट के बाद वनडे टीम के भी नए कप्तान बने हैं. अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति के इस फैसले ने फैन्स को हैरान कर दिया है. फैन्स सवाल पूछ रहे हैं कि शानदार प्रदर्शन के बावजूद रोहित शर्मा से कप्तानी क्यों छीनी गई.

रिपोर्ट के अनुसार भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड और टीम प्रबंधन ने 2027 के वनडे वर्ल्ड कप के लिए एक दीर्घकालिक ब्लूप्रिंट तैयार किया है. इस दौरान ये राय भी बनी कि शुभमन गिल को वनडे टीम का कप्तान बनाया जाए. इस ट्रांजिशन के लिए सबसे बड़ी चुनौती रोहित शर्मा को मैनेज करना था, जिन्होंने इसी साल अपनी कप्तानी में भारत को आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब जिताया था.

मैच नहीं खेलना रोहित के खिलाफ गया

बीसीसीआई के अधिकारियों का मानना था कि अगला वनडे वर्ल्ड कप अभी दो साल दूर है और रोहित शर्मा केवल वनडे फॉर्मेट में खेलते हैं, जिसके चलते उन्हें पर्याप्त मैच प्रैक्टिस नहीं मिल पाती. रोहित ने सभी फिटनेस मानकों को पूरा किया है, लेकिन हालिया समय में वो क्रिकेटिंग एक्शन से दूर रहे हैं जो उनके खिलाफ गया. चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इशारों-इशारों में इसके संकेत भी दिए. रोहित शर्मा ने आखिरी बार प्रतिस्पर्धी क्रिकेट आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस के लिए खेला था, जबकि उनका पिछला इंटरनेशनल मैच आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में था.

शुरुआत में बीसीसीआई के भीतर मतभेद थे क्योंकि रोहित का कप्तानी रिकॉर्ड शानदार रहा है. लेकिन जैसे-जैसे ऑस्ट्रेलिया दौरा नजदीक आया, बदलाव के पक्ष में सहमति बन गई. रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि विराट कोहली की स्थिति भी रोहित शर्मा जैसी ही है क्योकि दोनों इस वक्त केवल वनडे क्रिकेट ही खेल रहे हैं. जहां रोहित 38 वर्ष के हैं, वहीं विराट 36 साल के हैं. ऐसे में बोर्ड ने भविष्य को ध्यान में रखते हुए फैसला लिया है. एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, अगर हम चीजों को और टालते रहेंगे तो यह और जटिल हो जाएगी. दो खिलाड़ियों में से एक 38 के हैं और दूसरे 36 के. ऐसे में शुरुआती दांव लगाना मुश्किल है. युवा खिलाड़ी भी फॉर्म या फिटनेस खो सकते हैं, लेकिन यह अपेक्षाकृत सुरक्षित विकल्प है.

रोहित-कोहली को लेकर अगरकर ने क्या कहा?

अजीत अगरकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली 2027 के वर्ल्ड कप में खेलने के लिए प्रतिबद्ध नहीं हैं. अगरकर बताना चाहते थे कि उस टूर्नामेंट के लिए रोहित और विराट की टीम में जगह की गारंटी नहीं दी जा सकती है. अगरकर ने कहा कि बीसीसीआई की पॉलिसी है कि टीम में सेलेक्शन के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना होगा. ये देखना होगा कि आने वाले समय में विराट कोहली और रोहित शर्मा घरेलू वनडे टूर्नामेंट (विजय हजारे ट्रॉफी) में खेलते हैं या नहीं.

दोनों खिलाड़ियों पर यदि बीसीसीआई की ओर से घरेलू मैच खेलने का ज्यादा प्रेशर बनाया जाता है तो वे निकट भविष्य में बड़ा फैसला ले सकते हैं. पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास नहीं लेना चाहिए था क्योंकि इससे उन्हें काफी गेम टाइम मिलाता. आकाश कहते हैं कि कोहली और रोहित शर्मा को अब लगातार रन बनाने होंगे, नहीं तो कोई और उनकी जगह टीम में आ सकता है.

बीसीसीआई अब टीम को ऐसे खिलाड़ियों के इर्द-गिर्द तैयार करना चाहती है जो 2027 वर्ल्ड कप में कमाल कर सके. शुभमन गिल को कप्तान बनाना इसी रणनीति का हिस्सा है. रोहित शर्मा और विराट कोहली भारतीय क्रिकेट के दो बड़े सितारे हैं, लेकिन अब चयन समिति ने संकेत दे दिया है कि भारतीय टीम की नजरें युवा खिलाड़ियों पर हैं. यह बदलाव भावनात्मक रूप से कठिन जरूर है, लेकिन यह भारतीय क्रिकेट में नई शुरुआत भी हो सकती है.

वनडे टीम का कप्तान बनने के बाद गिल ने भरी हुंकार

2027 वर्ल्ड कप जीतना है लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा की जगह शुभमन गिल के कप्तान बनने के साथ ही भारत ने वनडे क्रिकेट के एक नए युग में कदम रखा है और इस 25 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने इरादे साफ कर दिए हैं। दक्षिण अफ्रीका में 2027 में होने वाला वनडे विश्व कप ही उनका अगला टारगेट है। भारतीय टीम वनडे वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में पहुंच गई थी जहां उसे फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। शुभमन गिल की कप्तानी में भारत ने वेस्टइंडीज को पहले टेस्ट मुकाबले में पारी और 140 रन से हरा दिया और इसके ठीक बाद उन्हें भारतीय वनडे टीम का कप्तान बनाया गया। वनडे टीम का कप्तान बनने के बाद गिल ने बताया कि ये उनके लिए गर्व की बात है और उन्होंने अपने प्लान का भी खुलासा कर दिया। शुभमन गिल ने बीसीसीआई मीडिया से कहा कि अपने देश की वनडे में कप्तानी करना, उस टीम की कप्तानी करना जिसने इतना कुछ हासिल किया है सबसे बड़ा सम्मान है। इससे मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है और मुझे उम्मीद है कि मैं अच्छा प्रदर्शन कर पाऊंगा। भारतीय सेलेक्टर्स ने वनडे वर्ल्ड कप 2027 को देखते हुए ये बड़ा कदम उठाया। गिल अब भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान हैं और टी20 टीम के वो उप-कप्तान हैं। गिल ने आगे कहा कि मुझे लगता है कि विश्व कप से पहले हमारे पास लगभग 20 वनडे मैच हैं और जाहिर है सबसे बड़ा लक्ष्य दक्षिण अफ्रीका में होने वाला विश्व कप है। हम जो भी खेलेंगे और टीम का हर खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगा। हम विश्व कप से पहले एक शानदार सीजन बिताने की पूरी कोशिश करेंगे और उम्मीद है कि हम इसे जीतेंगे।.

ऑस्ट्रेलिया के हरजस ने खेली तूफानी पारी

वनडे में ट्रिपल सेंचुरी, 35 छक्कों के साथ बनाए 314 रन...

नई दिल्ली, एजेंसी। वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर रोहित शर्मा का है, जिन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 264 रन बनाए थे. ऑस्ट्रेलिया के हरजस सिंह ने 50 ओवरों के मुकाबले में ट्रिपल सेंचुरी लगाकर सनसनी मचा दी. उन्होंने न्यू साउथ वेल्स प्रीमियर क्रिकेट टूर्नामेंट में 314 रनों की धुआंधार पारी खेली. 141 गेंदों में खेली इस पारी में उन्होंने 35 छक्के भी लगाए, यानी 210 रन तो उन्होंने सिर्फ छक्कों से ही बना डाले. 20 वर्षीय हरजस सिंह ने शनिवार को दूसरे दौर के मैच में वेस्टर्न सबर्ब्स की ओर से खेलते हुए सिडनी के खिलाफ ये ट्रिपल सेंचुरी जड़ी. वह मुकाबले में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए थे, इससे पहले निकोलस कटलर और जोशुआ क्लार्क के बीच 70 रनों की साझेदारी हुई थी.

हरजस सिंह ने शुरुआत में संभलकर बल्लेबाजी की, और जब एक बार उनकी आंख जम गई तो छक्के-चौकों की बरसात शुरू कर दी. हरजस सिंह ने 33 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया था. पचास रन पूरे करने के बाद फिर वह थोड़ी देर के लिए धीमे हुए, उन्होंने 74 गेंदों में अपना शतक पूरा किया. लेकिन इसके बाद तो मैदान पर उनका अलग ही रूप देखने को मिला, उन्होंने हर गेंदबाज की पिटाई शुरू कर दी.

सिर्फ बॉउंड्री से बनाए 258 रन

हरजस सिंह ने 314 रनों की पारी में 35 छक्के और 12 चौके लगाए, यानी उन्होंने 210 रन छक्कों से और 48 रन चौकों से बनाए. मतलब उन्होंने 258 रन तो सिर्फ बॉउंड्री से बना डाले. पहले शतक में उन्होंने 74 गेंदें खेली, लेकिन दूसरा शतक सिर्फ 29 गेंदों में आ गया था. हरजस ने 132 में अपनी ट्रिपल सेंचुरी पूरी की, वह आखिरी ओवर में 314 रन बनाकर आउट हुए. हरजस की तूफानी पारी के सहारे वेस्टर्न सबर्ब्स ने 483 रनों का विशाल स्कोर बनाया.

ऑस्ट्रेलिया के लिए 19 वर्ल्ड कप खेल चुके हैं हरजस सिंह

हरजस 2024 अंडर-19 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया टीम का हिस्सा थे, जिसमें उन्होंने भारत के खिलाफ फाइनल में 55 रन बनाए थे. ट्रिपल सेंचुरी लगाने के बाद हरजस सिंह ने कहा, मैं शतक बनाने से ही खुश था, क्योंकि मैंने अपनी मां से कहा था कि अगर मैं इस मैच में शतक लगाऊंगा तो क्या आप मुझे अपनी कार चलाने दोगी. इंटरनेशनल क्रिकेट में रोहित शर्मा नंबर-1 !

वनडे इंटरनेशनल में सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी खेलने का रिकॉर्ड अभी भी रोहित शर्मा के नाम हैं, जिन्होंने 13 नवंबर 2014 को श्रीलंका के खिलाफ 264 रन बनाए थे. 173 गेंदों में खेली इस पारी में रोहित ने 9 छक्के और 33 चौके लगाए थे. रोहित शर्मा अब सिर्फ वनडे फॉर्मेट में खेलते हैं, वह ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए विराट कोहली के साथ टीम में चुने गए हैं लेकिन अब वह कप्तान नहीं है.

क्रिकेट में पहली बार चोट के कारण बीच मैच में बदली प्लेइंग 11, जोशुआ वैन हीर्डन का नाम इतिहास में दर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट में सब्सटीट्यूट के नए ट्रायल के तहत वेस्टर्न प्रोविंस के ओपनर बल्लेबाज जोशुआ वैन हीर्डन का नाम इतिहास में दर्ज हो गया। वह शनिवार (4 अक्टूबर) को पहले लाइक टू लाइड इंजरी रिप्लेसमेंट सब्सटीट्यूट बन गए। साउथ अफ्रीका की प्रथम श्रेणी टूर्नामेंट के दूसरे दौर में लायंस के खिलाफ प्रोविंशियल चार दिवसीय मैच में चोट होने के कारण बीच मैच में वेस्टर्न प्रोविंस के प्लेइंग 11 में बदलाव हुआ। न्यूलैंड्स में खेले जा रहे इस मैच में वैन हीर्डन ने एडवर्ड मूर की जगह ली। मूर को दूसरे दिन फील्डिंग करते समय बाईं जांघ की अंदरूनी मांसपेशी (एडक्टर) में चोट लग गई थी।

सब्सटीट्यूट का यह ट्रॉयल ऑस्ट्रेलिया के शेफील्ड शील्ड और भारत के दलीप ट्रॉफी और रणजी ट्रॉफी में भी होगा। यह ट्रायल आईसीसी की एक पहल का हिस्सा है, जो मैच के दौरान गंभीर रूप से चोटिल खिलाड़ी की अन्य खिलाड़ी को मौका देने के लिए समाधान की तलाश में है। ऑस्ट्रेलिया की तरह साउथ अफ्रीका भी अंदरूनी और बाहरी दोनों चोट के लिए रिप्लेसमेंट दे रही है। भारत में अभी केवल बाहरी चोट के लिए रिप्लेसमेंट देने की योजना है।

चोटिल खिलाड़ी 7 दिन मैदान से रहेगा दूर

इसके बाद वे मैच रेफरी से संपर्क करके अपने फैसले की पुष्टि करते हैं। बाहरी चोट जैसे कि हड्डी टूटने या खिसने पर मैच रेफरी डॉ. रामजी और सेपेंग से सलाह लेकर किसी अन्य खिलाड़ी के बारे में फैसला ले सकते हैं। घायल खिलाड़ी की जगह तभी किसी और को लाया जा सकता है जब वह मैच से पूरी तरह बाहर हो गया हो। सीएसए की प्लेइंग कंडिशन के अनुसार उसे मैदान पर वापसी करने के लिए कम से कम 7 दिन इंतजार करना होगा।

साउथ अफ्रीका में ये है प्रोटोकॉल: साउथ अफ्रीका की घरेलू क्रिकेट में कोई चोटिल खिलाड़ी कब रिप्लेस होगा यह निर्धारित करने के लिए सख्त प्रोटोकॉल है। अंदरूनी चोट जैसे कि मांसपेशी में खिंचाव होने पर खिलाड़ी को अल्ट्रासाउंड या एमआरआई स्कैन करानी पड़ती है। इसके बाद रिपोर्ट सीएसए के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ हशेंद्र रामजी और सीएसए के क्रिकेट संचालन प्रबंधक ओबाकेंग सेपेंग को भेजी जाती है। यह रिपोर्ट के मद्देनजर निर्धारित करते हैं कि क्या चोट इतनी गंभीर है कि रिप्लेसमेंट की अनुमति मिल सके।

क्या इंटरनेशनल क्रिकेट में आएगा लाइक टू लाइक रिप्लेसमेंट: ऑस्ट्रेलिया में रिप्लेसमेंट केवल दूसरे दिन स्टंप्स तक ही मिल सकता है। चोटिल खिलाड़ी के कम से कम 12 दिनों तक मैदान से दूर रहना अनिवार्य है।

ऑस्ट्रेलिया और भारत की तरह साउथ अफ्रीका भी फिलहाल बहु-दिवसीय क्रिकेट में इस प्रणाली का केवल ट्रायल कर रहा है। प्रोटोकॉल में अंतर इस बात पर निर्भर करता है कि विभिन्न देश इस प्रणाली का परीक्षण कैसे करना चाहते हैं। वे सभी आईसीसी को रिपोर्ट करेंगे, जो फिर अंतरराष्ट्रीय खेल में लाइक टू लाइक रिप्लेसमेंट के लिए नियम बना सकता है।

वान्या शर्मा बनीं बेस्ट योगिनी, राष्ट्रीय योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रतिभा, अनुशासन और आत्मविश्वास की मिसाल बनीं वान्या शर्मा ने एक बार फिर योग की दुनिया में अपनी श्रेष्ठता साबित की है। नई दिल्ली के सरकारी विद्यालय, सरस्वती विहार में आयोजित राष्ट्रीय योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2025 में वान्या ने अपने अद्वितीय योगाभ्यास से निर्णायकों को प्रभावित करते हुए स्वर्ण पदक जीता।

उनकी अद्भुत संतुलन क्षमता, लचीलापन और आत्मविश्वासपूर्ण प्रस्तुति के लिए उन्हें विशेष सम्मान बेस्ट योगिनी ट्रॉफी से नवाजा गया। मंच पर वान्या की योग मुद्राओं में अनुशासन, निपुणता और सहजता का ऐसा संगम देखने को मिला कि पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट

से गूंज उठा। वान्या शर्मा पहले भी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुकी हैं। उन्होंने सितंबर 2025 में मलेशिया में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योगासन प्रतियोगिता में भारत के लिए तीन स्वर्ण पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया था। वर्ष 2024 में भी उन्होंने इंटर-स्कूल योगासन प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त कर अपने विद्यालय का नाम रोशन किया।

उल्लेखनीय है कि अब तक 14 विश्व रिकॉर्ड उनके नाम दर्ज हैं। छोटी सी उम्र में ही योग को जीवनशैली के रूप में अपनाने वाली वान्या आज देशभर के युवाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं।

राहुल तेवतिया का खुलासा

इन दो भारतीय खिलाड़ियों से सीखा बल्लेबाजी का हुनर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर राहुल तेवतिया ने बताया कि उनकी बल्लेबाजी पर युवराज सिंह और एमएस धोनी का गहरा प्रभाव रहा है। एक बाएं हाथ के बल्लेबाज के रूप में तेवतिया युवराज की स्टाइल और शॉट सिलेक्शन के प्रशंसक हैं, जबकि धोनी से उन्होंने डेथ ओवरों में शांत रहकर मैच खत्म करने की कला सीखी। तेवतिया ने कहा, मैं युवराज सिंह की बल्लेबाजी देखते हुए बड़ा हुआ हूं।

जब मैंने घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में फिनिशर की भूमिका निभाना शुरू किया, तब माही भाई की बल्लेबाजी को ध्यान से देखने लगा। उन्होंने डेथ ओवरों में गेंदबाजों को कैसे निशाना बनाया, यह सीखकर मुझे काफी फायदा हुआ।

आईपीएल के फिनिशर के रूप में पहचान : तेवतिया ने 2020 में राजस्थान रॉयल्स के लिए पंजाब के खिलाफ मैच में एक ओवर में पांच छक्के जड़कर सनसनी मचा दी थी। इसके बाद गुजरात टाइटन्स के लिए 2022 में उन्होंने आखिरी दो गेंदों पर दो छक्के लगाकर टीम को जीत दिलाई। उस सीजन में टाइटन्स ने आईपीएल ट्रॉफी भी जीती, जिसमें तेवतिया की भूमिका अहम रही।

प्रक्रिया पर ध्यान, नतीजे पर नहीं : तेवतिया ने कहा कि क्रिकेट में स्थिर मानसिकता रखना जरूरी है, सफलता या असफलता दोनों में समान रहना चाहिए। अगर आप जल्दी आउट हो जाते हैं, तो बुरा लगता है, लेकिन असली फोकस प्रक्रिया और तैयारी पर होना चाहिए, न कि नतीजे पर।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025: जीतने के जुनून ने किसान के बेटे निशाद कुमार को बनाया वर्ल्ड चैंपियन

अंब (ऊना), एजेंसी। हिमाचल के ऊना में रहने वाले निशाद के लिए यह दोहरी खुशी थी क्योंकि उन्होंने अपने 26वें जन्मदिन पर पुरुषों की ऊंची कूद टी-47 स्पर्धा जीती। पहली बार ऐसा हुआ कि अमेरिका का राड्रिक टांसेंट, जो कि टोक्यो और पेरिस पैरालंपिक में स्वर्ण पदक विजेता रहा, वह निशाद से पराजित हुआ। जीतने के जुनून ने किसान के बेटे को वर्ल्ड चैंपियन बना दिया। वह भी उस दिन, जब उसका जन्मदिन था। अपने जन्मदिन का इससे बेहतर तोहफा कोई इससे बेहतर क्या दे सकता है। यह तोहफा पैरा एथलीट निशाद कुमार ने देश और खुद को दिया है। 3 अक्तूबर 1999 को जन्मे

निशाद ने अपनी जिंदगी के सिल्वर जुबली वर्ष में देश के नाम सोने का तमगा जीत कर अपने जन्मदिन की खुशियों को वर्ल्ड चैंपियन के खिताब के साथ मनाया। इसमें सोने पर सुहागा यह रहा कि पहली बार किसी बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में उनके पिता रछपाल सिंह, माता पुष्पा देवी और बहन रमा स्टेडियम में मौजूद रहे। पहली बार ऐसा हुआ कि अमेरिका का राड्रिक टांसेंट, जो कि टोक्यो और पेरिस पैरालंपिक में स्वर्ण पदक विजेता रहा, वह निशाद से पराजित हुआ। टांसेंट ने तीसरा स्थान हासिल किया। जब भी किसी बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता का जिक्र होता था, तो निशाद की यह जिद नजर आती थी।

बीएफआई कप:

मंजू, अंकुशिता, अरुंधति, प्रिया और परवीन का जलवा, बीएफआई कप के सेमीफाइनल में पहुंच

नई दिल्ली, एजेंसी। मुक्केबाज मंजू रानी (रेलवे) ने शनिवार को बीएफआई कप के शुरुआती सत्र में 5-0 की प्रभावशाली जीत के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश किया। विश्व युवा

चैंपियन अंकुशिता बोरो (असम), पूर्व युवा विश्व चैंपियन अरुंधति चौधरी (सेना), अंडर-22 रजत पदक विजेता प्रिया (हरियाणा) और विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता परवीन हुड्डा (साइ) भी अंतिम चार में पहुंच गए। विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता मुक्केबाज मंजू रानी (रेलवे) ने शनिवार को बीएफआई कप के शुरुआती सत्र में 5-0 की प्रभावशाली जीत के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश किया। विश्व युवा चैंपियन अंकुशिता बोरो (असम), पूर्व युवा विश्व चैंपियन अरुंधति चौधरी (सेना), अंडर-22 रजत पदक विजेता प्रिया (हरियाणा) और विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता परवीन हुड्डा (साइ) भी अंतिम चार में पहुंच गए।